हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 42 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 01 अगस्त, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 8

आपदा मुआवजा में वृद्धि एवं मानकों में सुधार की मांग : महेंद्र भट्ट 3

पशुपालन एवं डेरी विकास की योजनायें बने जीएसडीपी में वृद्धि के आधार

योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में नवाचार पर दिया जाए ध्यान : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पशुपालन, डेरी विकास, मत्स्य पालन और गन्ना विकास विभाग की समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि पशुपालन और डेरी विकास के क्षेत्र में आगामी 3 वर्षों में सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में योगदान 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत करने की दिशा में कार्य किये जाएं। इसके लिए उन्होंने स्थानीय उत्पादों को तेजी से बढ़ावा दिये जाने पर भी बल दिया। उन्होंने पशुपालन और डेरी विकास के क्षेत्र में जीएसडीपी में वृद्धि के लिए आवश्यक संसाधनों का पूरा एक्शन प्लान तैयार कर प्रस्तुत करने के साथ प्रत्येक जनपद में एक-एक मॉडल पशु चिकित्सालय बनाए जाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के साथ नवाचार की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य किया जाए, जिससे स्थानीय स्तर पर लोगों की आजीविका में वृद्धि हो और पलायन भी रूके। डेरी विकास तथा पशुपालन के क्षेत्र में राज्य की आर्थिकी में सुधार के लिये अन्य प्रदेशों से आयातित दूध व दुग्ध उत्पादों, पोलट्री उत्पादों की निर्भरता को कम किया जाए। गोट वैली, कुक्कुट वैली और ब्रायलर फार्म की स्थापना राज्य में पशुपालकों की आय को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुई है। इस योजनाओं को और तेजी से बढ़ावा दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य में डेरी विकास के लिए दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के साथ ही विभिन्न दुग्ध उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए। दुग्ध उत्पादन से लाभकारी आय के लिए इनपुट प्रोडक्सन एवं डिलीवरी सिस्टम को सुदृढ़ बनाया जाए। एफ.पी.ओ के माध्यम से किसानों को उन्नत किस्म के चारा बीज उपलब्ध कराने और हरा एवं सूखा चारा उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किये जाने के साथ राज्य में अधिक से अधिक दुग्ध उत्पादक सेवा केन्द्र स्थापित किये जाने के भी निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये।

राज्य में मछली की खपत के अनुरूप हो उत्पादन- मुख्यमंत्री

मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि पर्वतीय क्षेत्रों में ट्राउट फिश के उत्पादन को तेजी से बढ़ावा दिया जाए। इनकी बिक्री के लिए भी उचित प्रबंध किये जाएं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना का मत्स्य पालकों को अधिक से अधिक लाभ मिले। राज्य में मत्स्य पालन को और तेजी से बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा लक्ष्य तय किये जाएं, लक्ष्यों को फोकस करते हुए समयबद्धता के साथ आगे कार्य किये जाएं। राज्य में मछली की खपत के अनुरूप उत्पादन हो इस दिशा में भी तेजी से प्रयास किये जाएं। मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना से भी अधिक से अधिक मत्स्य पालकों को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि तालाबों के निर्माण से उनमें मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जा सकता है, वहीं जल संरक्षण की दिशा में भी यह सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि कलस्टर बनाकर तालाबों का निर्माण किया जाए और उनके माध्यम से मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जाए।

गन्ना मिलों के आधुनिकीकरण, दक्षता और क्षमता में वृद्धि की दिषा में किये जाए कार्य : मुख्यमंत्री

गन्ना विकास विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि गन्ना मिलों को घाटे से उबारा जाए। गन्ना मिलों के आधुनिकीकरण, दक्षता और क्षमता में वृद्धि की दिशा में कार्य किये जाएं। राज्य में गन्ना बीज बदलाव, जीपीएस के माध्यम से गन्ना सर्वेक्षण का कार्य तथा प्रदेश में जैविक गन्ना उत्पादन को बढ़ावा देने के लक्ष्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान समय पर हो।

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि पशु स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण के लिए वृहद् स्तर पर पशुओं का टीकाकरण का अभियान चलाया जा रहा है। मोबाईल वैटिनरी यूनिट के माध्यम से पशुपालकों के द्वार पर पशुचिकित्सा संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री राज्य पशुधन मिशन के तहत इस वर्ष डेरी विकास के अन्तर्गत 3385 दुधारू पशुओं के क्रय के लिए 611 परिवारों को दुग्ध व्यवसाय से जोड़ने तथा 4943 पशुपालकों को बकरी व कुक्कुट पालन का लक्ष्य रखा है। पर्वतीय क्षेत्रों में साइलेज, चारा फीड ब्लाक की सुगमता से उपलब्ध होने के कारण महिलाओं के बोझ को कम किया गया है। पशुपालन से संबधित कार्यों में महिलाओं की भागीदारी 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि पिछले 03 वर्षों में दुग्ध उपार्जन, संतुलित पशु आहार एवं साईलेज विक्रय में वृद्धि हुई है। गोट वैली से राज्य में डेढ़ साल में 3027 पशुपालकों को लाभ मिला है, जिसमें 37 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। राज्य में कुक्कुट की 2622 ईकाई स्थापित हैं इस वर्ष 01 हजार और ईकाई स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, सचिव डॉ. बी.वी.आर. सी. पुरूषोत्तम, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, अपर सचिव विजय जोगदंडे, नियोजन विभाग से मनोज पंत और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सहकारिता की जन कल्याणकारी योजनायें बने गेम चेंजर

योजनाओं के क्रियान्वयन में हो विज्ञान एवं तकनीकि का उपयोग : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में सहकारिता विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि लंबे समय से संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए इस दिशा में सुधारात्मक प्रयास की दिशा में कार्य किये जाएं। इन योजनाओं से लाभार्थियों को कितना फायदा हुआ और योजनाओं को और प्रभावी बनाने के लिए और क्या विशेष नवाचार किये जा सकते हैं, इस दिशा में नियोजन विभाग के सहयोग से कार्य किया जाए। राज्य सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं को गेम चेंजर बनाने की दिशा में कार्य किये जाने पर भी उन्होंने बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के तहत स्वयं सहायता समूहों को प्रदान किये जा रहे ऋण की धनराशि की सीमा में वृद्धि की आवश्यकता के दृष्टिगत प्रस्ताव लाया जाए। स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों को बेहतर बाजार मिले, इसके लिए सप्लाई चेन को प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा सहकारिता विभाग संबधित विभागों से भी समन्वय स्थापित कर योजनाओं को आगे बढ़ाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बंजर भूमि चिन्हित कर विभिन्न क्लस्टरों के माध्यम से उसे खेती योग्य बनाने के प्रयास किये जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक और पारम्परिक पद्धतियों के माध्यम से कृषि उत्पादन में वृद्धि की जाए। मुख्यमंत्री ने क्लस्टरों में मिल्लेट्स, सब्जियां, दालें, फल, औषधीय और सुगंधित पौधों फसलों, चारा फसलों और कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा हमारा उद्देश्य स्थानीय समुदाय को आजीविका के अवसर प्रदान कर, रिवर्स माइग्रेशन को बढ़ावा देना है। सहकारिता से मिलेट्स उत्पादों को और अधिक बढ़ावा मिले, इसके भी पयास किये जाएं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विभिन्न जनपदों में चयनित क्लस्टरों की संख्या में वृद्धि के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना के अंतर्गत मत्स्य पालन, मौन पालन, मशरूम उत्पादन के निर्धारित लक्ष्यों को बढ़ाया दिया जाए। विभिन्न परियोजनाओ में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की नवीन तकनीकियो का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए।

सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि दीन दयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य सरकार द्वारा 85 करोड की ब्याज प्रतिपूर्ति का बजटीय प्राविधान किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 1,90,000 सहकारी सदस्यों को 1300 करोड़ रूपये का ब्याज रहित ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। योजना के अन्तर्गत अभी तक कुल 960510 लाभार्थियों एवं 5339 स्वयं सहायता समूहों को कुल 5621.25 करोड रूपये.का ऋण वितरित किया जा चुका है। राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना से 50 हजार से अधिक किसान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो रहे हैं। इसके तहत जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्धन, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, विशेष प्रमुख सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, निबंधक सहकारिता आलोक कुमार पाण्डेय एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

नीरज चोपड़ा के जबरा फैन से मिलिए, 22000 किमी साइकिल चलाकर पहुंचे पेरिस ओलंपिक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 01 अगस्त : दुनिया में कई ऐसे खेल प्रेमी मौजूद हैं, जो अपने स्टार्स से मिलने के लिए हर हद पार करने को राजी रहते हैं. ऐसे ही एक अनोखा फैन सामने आया है, जो स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को चीयर करने के लिए 22000 किलोमीटर से भी ज्यादा साइकिल चलाकर पेरिस ओलंपिक पहुंचा. इस शख्स का नाम है फैयस असरफ अली. केरल के इस साइक्लिस्ट ने 22000 किलोमीटर से भी ज्यादा साइकिल चलाकर कोझिकोड से पेरिस तक की अपनी यात्रा दो सालों में पूरी की. इस शख्स की दिली इच्छा है कि वह टोक्यो के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा से मिलें और उन्हें ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतता हुए देखें.

फ्रांस की राजधानी पेरिस में फैयस असरफ अली ने अपनी लंबी साइकिलिंग यात्रा को खत्म किया, जो उन्हें 15 अगस्त 2022 को शुरू की थी. इस दौरान वह 30 देशों से गुजरे. अली ने 'भारत से लंदन तक शांति और एकता फैलाने' के मिशन के साथ शुरुआत की थी. 17 देशों में साइकिल चलाने के बाद वह पिछले साल अगस्त में एक दोपहर बुडापेस्ट में रुके, जब उन्हें पता चला कि टोक्यो ओलंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा वहीं हैं. बता दें कि नीरज बुडापेस्ट में वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए एथलेटिक्स दल हिस्सा थे, जिसमें उसने एक और ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

बीते दिन अपनी यात्रा खत्म करने के बाद बातचीत के दौरान अली ने पीटीआई से कहा, 'मुझे भारतीय एथलीटों से बात करने के लिए कुछ मिनट मिले और नीरज ने मुझसे कहा कि 'चूंकि आप लंदन जा रहे हैं, तो ओलंपिक के लिए पेरिस क्यों नहीं आते.'' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगा कि पेरिस में उनसे फिर से मिलना एक शानदार मौका होगा, इसलिए मैंने अपने प्लान में थोड़ा बदलाव किया और जरूरी वीजा लेकर अपनी यात्रा खत्म करने से पहले साइकिल से UK चला गया।

पेरिस ओलंपिक में भारत को अब तक दो मेडल मिले हैं. ये दोनों ही ब्रॉन्ज मेडल हैं. 22 साल की मनु भाकर ने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत का खाता खोला. दूसरा मेडल दिलाने में भी मनु भाकर ने बड़ा योगदान दिया. उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में साउथ कोरिया की जोड़ी को हराकर ब्रॉन्ज मेडल मैच जीता।

क्या हार्ट अटैक के बाद एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए, जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 01 अगस्त : भागदौड़ भरी जिंदगी, खानपान में गड़बड़ी और काम का बढ़ता तनाव हार्ट अटैक को बढ़ा रहा है. पिछले कुछ सालों में इसके मामले काफी तेजी से बढ़े हैं. खासकर युवा इसकी चपेट में सबसे ज्यादा आ रहे हैं, इसलिए एक्सपर्ट्स हेल्दी लाइफस्टाइल जीने की सलाह देते हैं. हार्ट अटैक के बाद मरीज को खास सावधानियां रखनी चाहिए. हाई डेंसिटी वाले एक्सरसाइज भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। यहां जानिए कैंसर से जुड़े कुछ कॉमन मिथ और उनके फैक्ट्स...कई लोग मानते हैं कि दिल का दौरा पड़ने के बाद एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए. जानिए डॉक्टर क्या कहते हैं...

Fact : हार्ट अटैक से बचने के लिए नियमित तौर पर योग-एक्सरसाइज फायदेमंद होता है. हार्ट अटैक आने के बाद कुछ एक्सरसाइज सेहत को नुकसानदायक

पहुंचा सकती हैं. कार्डियोलॉजिस्ट का कहना है कि हार्ट अटैक आने के बाद एक्सरसाइज करते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए. कुछ दिनों तक बहुत ज्यादा या कठिन वर्कआउट करने से बचना चाहिए, वरना दिल पर इसका बुरा असर पड़ सकता है. इसलिए हार्ट अटैक आने के बाद हाई डेंसिटी एक्सरसाइज से बचने की कोशिश करनी चाहिए. बहुत ज्यादा ताकत वाले व्यायाम से भी बचना चाहिए। यह एक मिथक है कि दिल का दौरा पड़ने के बाद सक्रिय जीवन में वापस आना असंभव है. धीरे-धीरे चलना शुरू करने का सबसे अच्छा तरीका है, भले ही यह केवल पाँच मिनट के लिए ही क्यों न हो. जब तक यह आसान न लगे, तब तक थोड़े समय के लिए धीरे-धीरे चलना जारी रखना चाहिए और फिर धीरे-धीरे समय और बाद में गति बढ़ानी चाहिए.

हालांकि हार्ट अटैक के बाद एक्सरसाइज के दौरान इतिहास बरतना बेहद जरूरी है।

1. एक्सरसाइज करने से पहले डॉक्टर की सलाह लें.

2. हार्ट अटैक के बाद स्लो रनिंग या वॉक कर सकते हैं.

3. खुली हवा में टहलना फायदेमंद रहता है.

4. हफ्ते में कम से कम 5 दिन स्लो रनिंग या वॉक कर सकते हैं.

5. रनिंग या वॉक करते समय कोई प्रॉब्लम आए तो डॉक्टर को बताएं.

हार्ट अटैक जानलेवा भी हो सकता है, इसलिए जब भी इसके लक्षण नजर आए तो तुरंत भागकर डॉक्टर के पास जाना चाहिए और सही इलाज लेना चाहिए. चेस्ट पेन, दिल की धड़कनों का असामान्य होना इसके शुरूआती लक्षण होते हैं. इसके अलावा हेल्दी डाइट और सही लाइफस्टाइल हार्ट अटैक का रिस्क कम करता है।

IAS, IPS का है सपना तो यहां मिलेगी फ्री कोचिंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया में युवाओं को फ्री में यूपीएससी की तैयारी कराई जाती है. यहां से हर साल काफी तादाद में उम्मीदवारों का चयन यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में होता भी है. इस फ्री कोचिंग का आयोजन विश्वविद्यालय के आवासीय कोचिंग अकादमी, सेंटर फॉर कोचिंग एंड करियर प्लानिंग की तरफ से किया जाता है.हर साल लाखों युवा यूपीएससी और अन्य सिविल सर्विसेज की परीक्षाओं की तैयारी करते हैं जिसमें काफी खर्चा होता है. लेकिन कई बार को कोचिंग सेंटर्स में पर्याप्त सुविधाएं भी मुहैया नहीं होती. ऐसे में कुछ जगह ऐसी भी हैं जहां युवा यूपीएससी और अन्य सिविल सर्विसेज की परीक्षाओं की तैयारी फ्री में कर सकते हैं. हालांकि इसके लिए कुछ नियम और शर्तें हैं जिन्हें पूरा करना जरूरी होता है.

जामिया मिलिया इस्लामिया

दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया में इसके लिए एक अलग आवासीय सेंटर है, यहां युवाओं को फ्री में यूपीएससी की तैयारी

कराई जाती है. यहां से हर साल काफी तादाद में उम्मीदवारों का चयन यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में होता भी है. इस फ्री कोचिंग का आयोजन विश्वविद्यालय के आवासीय कोचिंग अकादमी, सेंटर फॉर कोचिंग एंड करियर प्लानिंग की तरफ से किया जाता है.जामिया इस साल यूपीएससी कोचिंग के लिए 100 सीटों पर एडमिशन लेगा. इन छात्रों को छात्रावास की सुविधा भी दी जाएगी. इसके लिए छात्रों को हर महीने छात्रावास फीस देनी होगी जो 1000 रुपए है. जिसे छह महीने पहले यानी 6000 रुपए का भुगतान करना होगा. इसके बाद दो महीने पहले रख रखाव की फीस जमा करना होगा. महिला उम्मीदवार के लिए फीस गर्ल्स हॉस्टल/प्रोवोस्ट कार्यालय में जमा की जाती है.

एंट्रेंस एग्जाम देना जरूरी

जामिया मिलिया इस्लामिया के कोचिंग सेंटर में दाखिले के लिए उम्मीदवारों को एंट्रेंस एग्जाम देना होता है. जिसमें पास होने वाले को ही यहां दाखिला मिलता है. जून में प्रवेश की प्रक्रिया के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाता है. फिर परीक्षा का आयोजन होता है उसके बाद रिजल्ट जारी किया जाता है. परीक्षा में पास होने वाले उम्मीदवारों का इंटरव्यू होता है. उम्मीदवार के इंटरव्यू में पास होने के बाद कोचिंग में एडमिशन मिल जाता है. खास बात यह है कि जामिया मिलिया इस्लामिया के इस कोचिंग में दाखिला सिर्फ अल्पसंख्यक, एससी, एसटी और महिला वर्ग के उम्मीदवारों को ही दिया जाता है. वहीं सीटों की बात करें तो यहां कुल 100 सीटों पर एडमिशन दिया जाता है. उन्हें रहने के लिए हॉस्टल भी मुहैया कराया जाता है. हालांकि इसके लिए उन्हें हर माह 1000 रुपए देने होते हैं.

आपदा मुआवजा में वृद्धि एवं मानकों में सुधार की मांग : महेंद्र भट्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 1 अगस्त , राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने सदन से उत्तराखंड एवं पर्वतीय के लिए आपदा मुआवजा राशि में वृद्धि करने की मांग की है । जिसमे उन्होंने विषम भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए मानकों में संशोधन का अधिकार राज्यों को सौंपने का भी आग्रह किया । साथ ही राज्य के दूरस्त क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या का मुद्दा उठाया।

राज्यसभा में अपने संबोधन में उन्होंने पर्वतीय क्षेत्रों की विषम भौगोलिक एवं आपदा की परिस्थितियों की और सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया ।जिसमें उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तहत आपदा प्रवाहित क्षेत्र के लिए मुवाबजे की धनराशि में वृद्धि की जाए । वहीं मानकों में भी भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संशोधन करने का अधिकार राज्य सरकारों को प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तहत बाढ़ भूस्खलन और भूकंप में हुई हानि पर आवश्यक प्रतिपूर्ति तथा भवन क्षति एवं कृषि भूमि के भूस्खलन तथा बाढ़ में क्षति होने पर मिलने वाले मुवाबजे में वृद्धि को आवश्यक बताया । साथ ही कहा, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राज्य एवं जनपदों में गठित है परंतु केंद्रीय राष्ट्रीय प्रबंधन प्राधिकरण के मानकों के दिशा निर्देश में ही मुआवजा की राशि देने का राज्यों को अधिकार है।

इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड का जिक्र करते हुए कहा, में जिस राज्य का प्रतिनिधित्व करता हूं,वहां पर दैवीय आपदा के बार-बार आने से लोगों को विस्थापित करना बड़ी चुनौती होता है । वही आपदा में क्षतिपूर्ति दर इतनी कम होती है कि प्रभावितों को न्यायोचित आर्थिक राशि नहीं मिल पाती है। वहीं पहाड़ों में मट्टी और पत्थर से बने पहाड़ी शैली के मकान होते हैं इन्हें पक्के मकान की श्रेणी में नहीं माना जाता है और ये परिवार मुआवजे से वंचित रह जाते हैं। वहीं कुछ मकान भूस्खलन क्षेत्र में पूरी तरह धराशाई नहीं होते परंतु उन मकानों पर रहना बहुत ही खतरे के दायरे में रहता है ।

लेकिन आपदा का मानक है कि जब तक मकान पूर्णतया धराशाई ना हो जाए उन्हें मुआवजा श्रेणी में नहीं लिया जाता है जिससे इन परिवारों को मिलने वाले मुवाबजे से वंचित रहना पड़ता है। पहाड़ों में छोटे जोत के खेत होते हैं, तथा बाढ़ एवम भूस्खलन से यह खेत पूर्णतया क्षतिग्रस्त हो जाते हैं परंतु आपदा मानक के अनुसार इन खेतों को मिलने वाला मुआवजा इतना कम होता है उन्हें अपने खेतों को फिर से खेती योग्य करना संभव ही नहीं है, और अच्छे खासे खेत भी बंजर हो जाते है। इसे इस लोक महत्व का विषय बताते हुए उन्होंने सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तहत आपदा प्रवाहित क्षेत्र के लिए मुवाबजे की धनराशि में वृद्धि की जाए तथा मानकों में भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संशोधन करने का अधिकार राज्य सरकारों को प्रदान किया जाए।

उत्तराखंड : 8 साल का इंतजार खत्म, रोडवेज कर्मचारियों को इस हफ्ते मिलेगा एरियर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 01 अगस्त : रोडवेज के लगभग तीन हजार कर्मचारियों को सातवें वेतनमान के एरियर का लाभ मिलने वाला है, जो चार किस्तों में वितरित किया जाएगा। प्रबंधन ने बीते दिन मंडल कार्यालयों के लिए पहली किस्त का बजट भेज दिया है। उत्तराखंड में वर्ष 2016 में सातवां वेतनमान लागू हुआ था, लेकिन रोडवेज में इसे लगभग नौ महीने की देरी से लागू किया गया। हालांकि कर्मचारियों को नए वेतनमान का लाभ मिल गया लेकिन बकाया एरियर लंबित रहा। तब से कर्मचारी एरियर के लिए संघर्ष कर रहे थे, जबकि रोडवेज अपनी आर्थिक स्थिति को इसका कारण बताता रहा। पिछले साल बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि एरियर दो किस्तों में दिया जाएगा, लेकिन

अब प्रबंधन ने इसे चार किस्तों में वितरित करने का निर्णय लिया है।रोडवेज के कर्मचारियों के एरियर की कुल राशि करीब 16 करोड़ रुपये है। इसमें से चार करोड़ रुपये पहली किस्त के रूप में मंडल कार्यालयों को भेजे जा चुके हैं, जो अब कर्मचारियों में वितरित किए जाएंगे। वर्तमान में रोडवेज की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, इस कारण प्रबंधन ने एरियर को चार किस्तों में देने का निर्णय लिया है। यदि भविष्य में आर्थिक स्थिति सुधरती है, तो एरियर की राशि दो किस्तों में भी दी जा सकती है।

उत्तराखंड में फिर बढ़ेंगे बिजली के दाम, इतने प्रतिशत होगी बढ़ोतरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 01 अगस्त : ऊर्जा निगम इस बार आयोग को 8.97 प्रतिशत बिजली दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजा है और अब आयोग इस पर जनता की राय जानना चाहता है। उपभोक्ता 8 अगस्त तक इस पर अपनी आपत्ति और सुझाव दे सकते हैं। 14 अगस्त को नियामक आयोग में जनसुनवाई होगी।उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग ने 26 अप्रैल 2023 को 2024-25 के लिए बिजली दरों में 6.92 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की थी।

इस बढ़ोतरी का जनता ने जोरदार विरोध किया, जबकि ऊर्जा निगम ने इसे मामूली बढ़ोतरी बताते हुए कहा कि उनके पिछले खर्चों को विद्युत नियामक आयोग ने मान्यता नहीं दी, जिससे उन पर वित्तीय दबाव बढ़ गया है। ऊर्जा निगम ने आयोग में पुनर्विचार याचिका दायर करते हुए बिजली दरों में 8.97 प्रतिशत की बढ़ोतरी का नया प्रस्ताव भेजा है, जिसमें अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 के बीच इसे

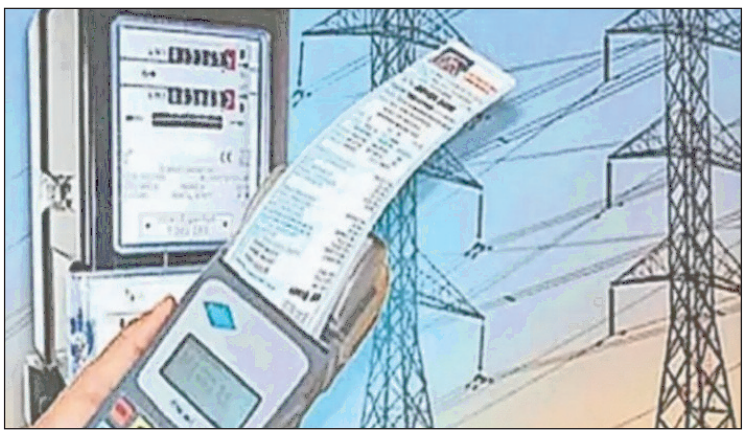

वसूलने की अनुमति मांगी गई है। इस बार आयोग ने निगम के प्रस्ताव को सीधे स्वीकार करने के बजाय पहले जनता से इस पर सुझाव मांगे हैं।ऊर्जा निगम की लगातार बिजली दरों में वृद्धि से जनता त्रस्त हो गई है। पहले साल में सिर्फ एक बार दरों में बढ़ोतरी होती थी, लेकिन अब मार्च में वार्षिक बढ़ोतरी के साथ हर महीने फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट के तहत अलग-अलग दरें बढ़ाई जा रही हैं। प्रस्तावित बढ़ी हुई बिजली दरों पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए सचिव उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग कार्यालय, आईएसबीटी माजरा, देहरादून के पते पर लिखित आपत्ति भेजी जा सकती है या आप secy.uerc@gov.in पर भी अपनी आपत्ति ईमेल कर सकते हैं जिसकी अंतिम तिथि 8 अगस्त है।

संक्षिप्त खबरें

उमस भरी गर्मी से लोग परेशान

श्रीनगर गढ़वाल। उमस भरी गर्मी से श्रीनगर में आमजन परेशान हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के तहत बुधवार को जनपद में भारी बारिश की संभावनाएं जताई थी, लेकिन श्रीनगर में बीते एक माह से ठीक से बारिश न होने से आम जनमानस उमस भरी गर्मी से बेहाल है। आसमान में बादल के साथ-साथ धूप की तपिश के बीच गर्मी बढ़ी है। गढ़वाल विवि के भौतिकी विभाग के हिमालयन वातावरणीय एवं अंतरिक्ष भौतिकी शोध प्रयोगशाला के प्रभारी आलोक सागर गौतम ने बताया कि अत्यधिक वाहनों के चलने से श्रीनगर में लगातार वातावरण प्रदूषित हो रहा है। जिससे वातावरण में धूल के कण ज्यादा होने के कारण उष्म ज्यादा अवशोषित कर रहे हैं। जिससे वातावरण में नमी के कारण लगातार गर्मी बढ़ रही है।

91 चालकों का चालान काटा

चमोली। सड़कों पर बेधड़क यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध यातायात पुलिस चमोली की ताबड़तोड कार्रवाई की है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 91 व्यक्तियों का चालान कर उनसे 65,500 रुपये अर्थदंड वसूला गया है। यातायात निरीक्षक प्रवीण आलोक ने बताया कि कांवड़ यात्रा अवधि में कुछ लोग मॉडिफाइड साइलेंसर का प्रयोग करते हुए अत्यधिक तेज ध्वनि वाले वाहनों को चला रहे हैं। इससे आमजनमानस को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बदरीनाथ हाईवे पर पर बुधवार को चैकिंग अभियान में यातायात नियमों के विपरीत वाहन चलाने वालों के चालान काटे गए।

बदरीनाथ हाईवे बार-बार बाधित होने से कारोबारी परेशान

चमोली। बुधवार को बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग नन्दप्रयाग में 8 घंटे से अधिक समय तक बाधित रहा। मलबा आने के कारण नन्दप्रयाग बाजार से आगे सुबह 5 बजे पहाड़ी से भारी मलबा और बोल्डर आने के कारण दो स्थानों पर अवरुद्ध रहा। सड़क पूरी तरह दलदल में बदल गई है। वाहनों का दलदल से निकलना मुश्किल हो रहा है। भारी मशक्कत के बाद मशीनों से हाइवे को दोपहर 1 बजे तक सुचारू काया गया। बदरीनाथ हाइवे चमोली कस्बे के निकट बाजपुर मे भी मलबा बोल्डर आने से हाईवे 5 घंटे अवरुद्ध रहा। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नन्दकिशोर जोशी ने बताया कि बदरीनाथ हाईवे बुधवार अपराह्न बाद सामान्य तौर पर यातायात के लिए सुचारू किया गया। बदरीनाथ हाइवे चमोली जिले में इस बार बरसात में फिर मुसीबत की सड़क साबित हो रही है।

सड़क निर्माण शुरू न होने पर करेंगे आंदोलन

चमोली। हेलंग गांव के लोगों ने एसडीएम जोशीमठ से मुलाकात कर उनके गांव तक स्वीकृत सड़क कार्य को संबन्धित विभाग से जल्द शुरू करवाने की गुहार लगाई। लोगों ने कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो जल्द गांव के पूरे ग्रामीण आन्दोलन को बाध्य होंगे।ग्रामीणों ने महिला मंगल दल अध्यक्ष गीता देवी की अध्यक्षता में एसडीएम जोशीमठ से मुलाकात कर कहा कि पैनी बैंड से उनके गांव तक के लिए वर्ष 2017 में सड़क निर्माण की स्वीकृति मिली थी जिसके बाद 2019 में कार्यदायी संस्था लोनिवि ने पूजा कर सड़क निर्माण कार्य शुरू करने की घोषणा की। लेकिन उसके बाद एक दिन भी सड़क निर्माण का कार्य शुरू नही हुआ। ग्रामीण नरेन्द्र टम्टा ने कहा कि इस सड़क के न बनने के कारण आज भी हेलंग मल्ली तोक के लोगों को 2 किमी से अधिक की पैदल रास्ता नापकर आना जाना पड़ता है। ज्ञापन देने वालों में गीता देवी, बिच्छा देवी, विमला देवी, अतुल सती, नरेन्द्र टम्टा, गोपाल सैलानी, गुरदीप लाल , प्रदीप लाल, धीरज टम्टा आदि रहे।

नदी में गिरने से बाल बाल बचा ट्रक

चमोली। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाइवे पर कर्णप्रयाग के पास एक ट्रक गहरी खाई में गिरने से बाल बाल बचा। मंगलवार रात को एक ट्रक कर्णप्रयाग से गौचर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान पंचपुलिया से कुछ आगे चढ़ाई में अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे की ओर बने पीलर से टकराकर अटक गया। ट्रक चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना वाले स्थान पर लोहे के गार्डर और सीमेंट का पीलर होने से दुघर्टना टल गई। घटना में किसी को चोट नहीं आई है। वहीं स्थानीय लोगों ने ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों के किनारे भी लोहे के मजबूत एंगल लगाने की मांग उठाई है।

38वें राष्ट्रीय खेल : उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने जीता पदक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 0अगस्त : उत्तराखंड सरकार 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी को लेकर राज्य के खिलाड़ियों को पदक जीतने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इसके तहत स्वर्ण, रजत, और कांस्य पदक विजेताओं के लिए प्रोत्साहन राशि को दोगुना करने की योजना बनाई गई है। प्रस्ताव जल्द ही मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा।

वर्तमान नियमों के अनुसार ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर दो करोड़ रुपये, रजत पदक पर डेढ़ करोड़ रुपये, कांस्य पदक पर एक करोड़ रुपये और ओलंपिक में भाग लेने पर 50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि राज्य सरकार की ओर से दी जाती है। वहीं राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक पर छह लाख रुपये, रजत पदक पर चार लाख रुपये और कांस्य पदक पर तीन लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है।

खेल निदेशक जितेंद्र सोनकर ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों के मनोबल को ऊंचा रखने के लिए सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं।राज्य के खिलाड़ियों को ओलंपिक और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने पर पुरस्कार राशि को दोगुना करने का प्रस्ताव पेश किया गया है। उत्तराखंड इस बार राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करेगा जिसमें देहरादून, हरिद्वार, पिथौरागढ़, ऊधमसिंह नगर, हल्द्वानी और टिहरी में विभिन्न खेल आयोजन होंगे। खिलाड़ियों को अधिक से अधिक पदक लाने के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविरों और प्रोत्साहन की योजनाएं अंतिम चरण में हैं।

राज्य के खिलाड़ियों को ओलंपिक या राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने पर न केवल पुरस्कार राशि मिलेगी, बल्कि उन्हें सीधे आउट ऑफ टर्न राजपत्रित अधिकारी की नौकरी भी दी जाएगी। खेल नीति 2021 के तहत ऐसे खिलाड़ियों को उत्तराखंड में राजपत्रित और अराजपत्रित पदों पर नियुक्ति का विशेष लाभ मिलेगा। ग्रेड-एक के तहत पदक विजेताओं को पुलिस उप अधीक्षक, सहायक वन संरक्षक या संभागीय परिवहन अधिकारी के पदों पर नियुक्त किया जाएगा। इस समय ओलंपिक में राज्य के लक्ष्य सेन बैडमिंटन और परमजीत सिंह, अंकिता ध्यानी व सूरज पंवार एथलेटिक्स में भाग ले रहे हैं। उम्मीद हैं देश के लिए ये सभी पदक जीतकर लाएंगे।

ऐसा भी होता है! सपने में खुद को अमीर बनते देखा, फिर एक झटके में बन गया करोड़पति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 01 अगस्त : कहते हैं कि ऊपर वाला जब भी देता है, तो छप्पड़ फाड़ कर देता है और कभी-कभी इतना देता है कि समेटना मुश्किल हो जाता है. एक अमेरिकी व्यक्ति के साथ कुछ ऐसा ही हुआ. आप माने या न मानें, इस शख्स ने सपने में खुद को अमीर बनते देखा और फिर उसकी किस्मत ऐसी पलटी कि एक झटके में उस पर पैसों का बरसात हो गई और वो करोड़पति बन गया।

मैसाचुसेट्स के प्लायमाउथ निवासी हावर्ड केंडल जूनियर का ऐसा सपना सच हो गया, जो कोई सोच भी नहीं सकता. हावर्ड के मुताबिक, उन्होंने सपने में लॉटरी जीतकर करोड़पति बनने के बाद अपनी किस्मत आजमाई और बड़ा जैकपॉट जीत लिया. शख्स ने बताया कि उसने सपने में देखा कि 10 डॉलर की लॉटरी से उसे 40,00,000 डायमंड स्क्रैच-ऑफ टिकट हाथ लग गया और वो करोड़पति बन चुका है। वैसे, हावर्ड इतनी रकम तो नहीं जीत पाए, लेकिन उनके हाथ जो भी जैकपॉट

लगा वो भी कुछ कम नहीं है. मात्र 10 डॉलर (यानि 837.11 रुपये) में खरीदी गई लॉटरी टिकट से हावर्ड 10,00,000 डॉलर (लगभग 8.4 करोड़ रुपये) की रकम जीत ले गए.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शख्स का कहना है कि वह इन जीते हुए पैसों को अपने बच्चों और पोते-पोतियों में बांट देगा।इससे पहले बाल्टीमोर की एक महिला ने मैरीलैंड लॉटरी में 50,000 डॉलर (लगभग 42 लाख रुपये) जीतने का श्रेय हथेली में मची खुजली को दिया था. महिला का अंधविश्वास था कि हाथ में खुजली होने से पैसे आते हैं. लंबे समय से लॉटरी खेल रही इस महिला ने बताया कि वह हर हफ्ते 5 डॉलर की दो स्क्रैच ऑफ टिकट खरीदती थी, लेकिन जिस दिन उसे हथेली में खुजली महसूस हुई, उसने यकीन हो गया कि कुछ न कुछ तो बड़ा होने वाला है. इसके बाद जो हुआ, वो आपके सामने है.

गढ़वाल : गगवाड़स्यूं पट्टी के उत्कर्ष रावत को बधाई, इंडिगो एयरलाइंस में बने कमर्शियल पायलट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 01 अगस्त : गगवाड़स्यूँ घाटी के प्रतिभाशाली युवा उत्कर्ष पेशेवर पायलट के रूप में प्रशिक्षित होकर आए हैं, जो अब इंडिगो के विमान से अपने हौसलों की ऊंची उड़ान भरने को तैयार हैं। जनपद पौड़ी के गगवाड़स्यूं घाटी ग्राम उज्याड़ी के निवासी उत्कर्ष रावत का चयन इंडिगो एयरलाइंस में कमर्शियल पायलट के रूप में हुआ है। उनकी माता रचना रावत हरिद्वार जनपद में अंग्रेजी की प्रोफेसर हैं, जबकि उनके पिता कमल किशोर रावत पौड़ी नगर में बिजनेसमैन और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिजन बेहद खुश है।

देहरादून के ब्राइटलैंड स्कूल में अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने वाले उत्कर्ष बचपन से ही पायलट बनने का सपना देखते थे। अपने इस सपने को हकीकत में बदलने के लिए उन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी की प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल की।उत्कर्ष का चयन एक ओर यहां

हुआ और दूसरी ओर उन्हें इनसाइट एविएशन के इंडिगो के कमर्शियल पायलट ट्रेनिंग के कैडेट पायलट प्रोग्राम में भी चुन लिया गया। उन्होंने गुरुग्राम में ग्राउंड लेवल ट्रेनिंग लेने के बाद साउथ अफ्रीका के 43 एयर स्कूल से फ्लाइट ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरा कर लाइसेंस प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने बैंकाक में एयर बस का प्रशिक्षण हासिल किया। अपने तकनीकी प्रशिक्षण के पश्चात अब उत्कर्ष रावत इंडिगो में पायलट के रूप में अपनी यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं। पहाड़ के इस नवयुवक की सफलता की कहानी आसमान छू रही है। उत्कर्ष अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार और शिक्षकों को देते हैं। सभी क्षेत्रवासियों को उनपर गर्व है।

संक्षिप्त खबरें

राहत कार्य शुरू न होने पर पंती के ग्रामीणों का प्रदर्शन

चमोली। भारी बारिश के कारण पंती गांव के कई मकानों मे मलबा आने और गांव को हो रहे खतरे को देखते हुए और आपदा के पांच दिनों बाद भी क्षेत्रीय विधायक और उच्च अधिकारियों के आपदाग्रस्त क्षेत्र में ना पहुंचने पर ग्रामीणों में बुधवार को प्रदर्शन किया।बुधवार को ही ब्रिडकुल के अधिशासी अभियंता नरेश कुमार और तहसीलदार नारायणबगड़ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित ग्रामीणों को पंती गधेरे के मलबे को साफ करने सड़क को दुरुस्त करने का आश्वाशन दिया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रदीप बुटोला ने पंती हंसकोटी मोटर मार्ग की जांच किए जाने के साथ गधेरे के मलबे को साफ करने की बात कही। मौके पर थराली विधायक के ना पहुंचने पर रोष व्यक्त करते हुए नारेबाजी की गई।

मुख्यमंत्री खिलाडी प्रोत्साहन के सफल क्रियान्वयन को लेकर सीडीओ ने ली बैठक

चमोली। मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के क्रियान्वयन को लेकर बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में जिला स्तरी पर्यवेक्षण समिति की बैठक हुई। जिसमें प्रतिभावान खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया हेतु तिथि निर्धारित की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि पूरी पारदर्शिता के साथ प्रतिभावान खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया का आयोजन किया जाए। प्रत्येक ब्लाक एवं नगर पालिका में खेल प्रतियोगिता के आयोजन हेतु एसडीएम की अध्यक्षता में बैठक करते हुए स्थान चयन किया जाए। शिक्षा, युवा कल्याण, जल संस्थान, नगर पालिका और चिकित्सा विभाग प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु क्रीडा विभाग को पूरा सहयोग प्रदान करें। मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत नगर पालिका एवं नगर पंचायत स्तर पर 23 एवं 24 अगस्त को और विकासखंड स्तर पर 27 एवं 28 अगस्त 2024 को चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। जनपद स्तर पर 31 अगस्त से 17 सितंबर 2024 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर में चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत जिला स्तर पर 14 से 23 वर्ष के 100 बालक एवं 100 बालिकाओं का चयन किया जाएगा। योजना के तहत 14-17 आयु वर्ग, 17-19 आयु वर्ग, 19-21 आयु वर्ग और 21-23 आयु वर्ग में कुल 12 खेलों में प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रत्येक आयु वर्ग में 25 बालक एवं 25 बालिकाओं का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को एक वर्ष तक रु.2000/प्रतिमाह छात्रवृत्ति और खेल उपकरण किट के लिए 10 हजार रुपये की धनराशि एक मुश्त प्रदान की जाएगी। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि चयन प्रक्रिया में बॉक्सिंग, जूडो, कराटे, बैडमिंटन, ताईक्वाड़ों, बॉलीबॉल, फुटबॉल, बास्केटबॉल, हॉकी, टेबल टेनिस, कबड्डी खेलों में प्रत्येक आयु वर्ग और प्रत्येक खेल में दो-दो खिलाड़ी और एथलेटिक्स में प्रत्येक आयु वर्ग में तीन-तीन खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। इस प्रकार जनपद स्तर पर 100 बालक एवं 100 बालिकाओं का चयन मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत किया जाएगा। जिला स्तरीय पर्यवेक्षण समिति की बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 बीपी सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी धर्म सिंह रावत, जिला क्रीड़ा अधिकारी गिरीश कुमार, जिला युवा कल्याण अधिकारी दीपक बिष्ट, जयवीर रावत आदि उपस्थित थे।

सहायक खंड विकास अधिकारी को दी विदाई

चमोली। नारायणबगड़ विकासखंड में तैनात सहायक खंड विकास अधिकारी रमेश चंद अमोली को उनके सेवानिवृत्ति होने पर कर्मचारियों के द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर प्रमुख यशपाल नेगी, खंड विकास अधिकारी पन्ना लाल आर्य, सहायक खण्ड विकास अधिकारी बीरेंद्र असवाल, हरीश जोशी, बीडीओ मोहन जोशी, स्वान इंजीनियर्स मनोहर रावत, बीएमएम आलोक नेगी, विक्रम फस्वार्ण आदि मौजूद रहे।

मुंशी प्रेमचंद की 144वीं जयंती मनाई

चमोली। राजकीय महाविद्यालय तलवाड़ी के हिंदी विभाग द्वारा महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रतिभा आर्य की अध्यक्षता में प्रेमचंद की 144 वीं जयंती मनाई गई। डॉ. पुष्पा रानी द्वारा मंच संचालन किया गया। इतिहास विभाग से अनुन कुमार द्वारा प्रेमचंद के जन्म स्थान लमही व गोदान उपन्यास पर अपने विचार रखें। समाज शास्त्र विभाग से मोहित उप्रेती ने प्रेमचंद की पत्रविधा पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. नीतू पाण्डे, मनोज कुमार, डॉ. जमशेद अंसारी, डॉ.संतोष पंत, रजनीश कुमार,डॉ कुलदीप जोशी, डॉ निशा ढौंढियाल ने विचार रखें। डॉ सुनील कुमार व डॉ सुनीता भण्डारी के द्वाराधन्यवाद ज्ञापन किया गया। प्राचार्य प्रतिभा आर्य द्वारा प्रेमचंद की कहानी पूस की रात की मानिकता पर प्रकाश डाला गया।

उत्तराखंड के इस गर्ल्स स्कूल को सम्मानित करेगा UN, जीता अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन स्कूल अवार्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 01 अगस्त : पीएम श्री जीजीआईसी ज्वालापुर, गढ़वाल मंडल के प्रमुख विद्यालयों में से एक है जहाँ सर्वाधिक छात्राएं पढ़ती हैं। जीजीआईसी ने अंतरराष्ट्रीय ग्रीन स्कूल अवार्ड जीता है। इस सम्मान के लिए 23 और 24 सितंबर को यूनाइटेड नेशंस की जनरल असेंबली के 79 वें सम्मेलन में प्रधानाचार्य पूनम राणा को सम्मानित किया जाएगा।

ज्वालापुर स्थित जीजीआईसी गढ़वाल मंडल के सर्वाधिक छात्रा संख्या वाले विद्यालयों में से एक है, जहां वर्तमान में करीब 1700 छात्राएं अध्ययनरत हैं। प्रधानाचार्य पूनम राणा को पहले ही शिक्षा क्षेत्र का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार, शैलेश मटियानी शैक्षिक उत्कृष्ट पुरस्कार मिल चुका है। अब विद्यालय को एक और प्रतिष्ठित सम्मान अंतरराष्ट्रीय ग्रीन स्कूल अवार्ड से नवाजा गया है। इसके लिए प्रधानाचार्य पूनम राणा को यूनाइटेड नेशंस की जनरल असेंबली के 79 वें सम्मेलन में पुरस्कृत किया जाएगा। उन्हें ग्रीन स्कूल के बारे में अपने विचार वहां उपस्थित अन्य शिक्षा विदों के समक्ष रखने के लिए भी आमंत्रित किया गया है।

भारत के साथ अन्य देशों ने भी इस कैटेगरी में प्रतिवेदन भेजे थे, जिसमें विद्यालय द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में किए गए प्रयासों और नवाचारों का विवरण शामिल था। प्रधानाचार्य पूनम राणा ने बताया कि उनका कैंपस पूरी तरह से हरा-भरा है और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए विद्यालय में नियमित रूप से नवाचार किए जाते हैं। 'मेरा विद्यालय मेरा गमला' 'एक पेड़ मां के नाम' 'पॉलीथिन को ना बोले' 'स्वच्छ हरिद्वार हरित हरिद्वार' और 'गंगा प्रहरी' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यालय ने पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन प्रयासों की वजह से विद्यालय को अंतरराष्ट्रीय ग्रीन स्कूल अवार्ड के लिए चुना गया है, जो उनके लिए गर्व की बात है। पिछले साल भी जीजीआईसी ज्वालापुर को बेस्ट वाटर मैनेजमेंट के लिए यूनेस्को द्वारा पुरस्कृत किया गया था।

शादी से पहले कराएं ये 8 टेस्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , शादी से पहले लड़की और लड़के की कुंडली मिलाई जाती है. उनके गुण देखे जाते हैं ताकि उनकी लाइफ में किसी तरह की प्रॉब्लम्स न आए. जिस तरह शादी से पहले कुंडली का महत्व होता है, ठीक उसी तरह कुछ मेडिकल टेस्ट (Pre Marriage Medical Test List) भी बेहद जरूरी होते हैं, जिनका मिलान शादी से पहले कर लेना चाहिए. इससे शादी के बाद किसी तरह की समस्याएं नहीं होती हैं. आज हम आपको कुछ ऐसे टेस्ट के बारें में बताने जा रहे हैं, जिसे हर कपल को शादी से पहले करवाने चाहिए.

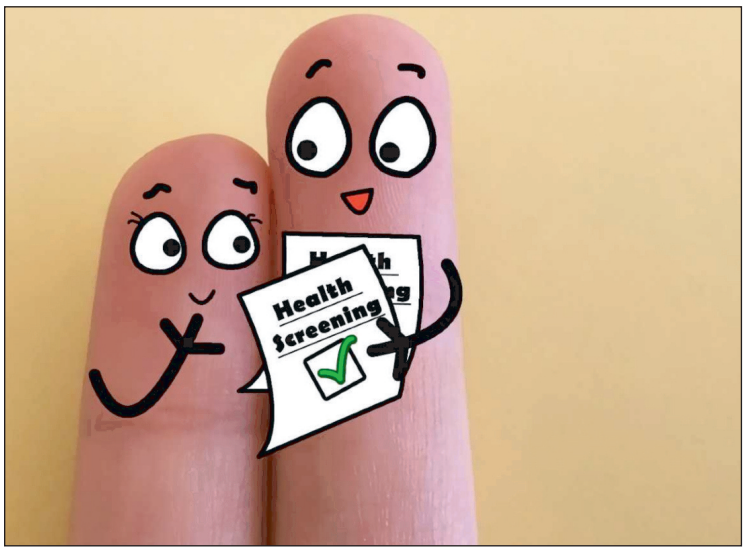

शादी से पहले कौन-कौन से टेस्ट करवाएं

1. ब्लड ग्रुप टेस्ट

इस टेस्ट (Blood Group Test) से ब्लड टाइप और ब्लड ग्रुप का पता चलता है. इसमें वर-वधू के RH फैक्टर का मिलान करना चाहिए. इसके एक न होने पर बच्चे के जन्म के समय परेशानियां आ सकती हैं. प्रेगनेंसी में कई प्रॉब्लम्स फेस करने पड़ सकते हैं.

2. जीनोटाइप टेस्ट

पैरेंट्स के जीन बच्चों में ट्रांसफर होते हैं. इसलिए शादी से पहले यह टेस्ट (Genotype Tests) भी महत्वपूर्ण हो जाता है. इससे पहले ही किसी समस्या का पता चल जाता है और समय रहते उसे दूर किया जा सकता है.

3. थैलेसीमिया-हीमोफीलिया टेस्ट

थैलेसीमिया -हीमोफीलिया से कपल के बच्चों में जन्म दोष की समस्या हो सकती है. इसलिए, शादी करने से पहले यह टेस्ट (Thalassemia-Haemophilia Test) करवाना जरूरी है.

4. मेंटल हेल्थ

सुखी वैवाहिक जीवन के लिए पति-पत्नी का मेंटल हेल्थ अच्छा होना चाहिए. कुछ मानसिक स्वास्थ्य स्थितियां (Mental Health Status) आने वाले समय में बच्चों में भी ट्रांसफर हो सकता है, इसलिए इसका समय रहते ही निजात करना जरूरी है.

5. फर्टिलिटी टेस्ट

शादी से पहले जान लेना अच्छा होता है कि आपका शरीर फर्टाइल है और प्रजनन के लिए सही है या नहीं. इसलिए शादी से पहले फर्टिलिटी टेस्ट (Fertility Test) करवाना चाहिए. इससे किसी समस्या का इलाज समय पर हो सकता है.

6. क्रोनिक डिजीज

कोई भी पुरानी बीमारी प्रेगनेंसी में समस्या पैदा कर सकती है. शादी करने वाले कपल्स को अपनी हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज के बारें में पहले ही पता कर लेना चाहिए. इससे कई समस्याओं को पहले ही खत्म किया जा सकता है.

7. HIV और STD टेस्ट

एचआईवी और अन्य यौन बीमारियां (STD) आसानी से एक इंसान से दूसरे में पहुंच सकती हैं. ऐसे में शादी से पहले पता लगाना जरूरी हैकि आपका साथी या आप इस तरह के बीमारी से संक्रमित तो नहीं हैं.

8. पेल्विक अल्ट्रासाउंड टेस्ट

पेल्विस के अंदर के अंगों की तस्वीरें लेने के लिए पेल्विक अल्ट्रासाउंड टेस्ट (Pelvic Ultrasound Test) होता है. इस टेस्ट से गर्भाशय, गर्भाशय ग्रीवा, अंडाशय और फैलोपियन ट्यूब से जुड़ी जानकारियां पता चलती हैं और समस्या होने पर उनका इलाज किया जाता है.

संपत्तियां होंगी महंगी, 20 % बढेगा सर्किल रेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियां अब महंगी हो जाएंगी। स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग प्रॉपर्टी सर्किल रेट (गाजियाबाद सर्किल रेट वृद्धि) बढ़ाने जा रहा है। विभाग ने सर्किल रेट में 20 फीसदी बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है. इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए जिलाधिकारी के पास भेजा जाएगा। डीएम से अनुमति मिलने के बाद आम लोगों से इस संबंध में आपत्तियां मांगी जाएंगी। पिछले दो साल में गाजियाबाद में सर्कल रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ। दो साल पहले सर्किल रेट में भी 20 फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी.

सर्कल रेट बढ़ने से प्रॉपर्टी खरीदना महंगा हो जाता है क्योंकि स्टांप ड्यूटी के तौर पर ज्यादा पैसे चुकाने पड़ते हैं. सर्कल वह न्यूनतम कीमत है जिसके नीचे संपत्ति का पंजीकरण नहीं किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, रजिस्ट्रेशन और स्टांप विभाग का कहना है कि दो साल में शहर में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए काफी काम किया गया है. नमो भारत ट्रेन दिल्ली मेरठ आरआरटीएस के 42 किमी लंबे हिस्से पर चलती है। गाजियाबाद में मेट्रो भी है और यह शहर कई राजमार्गों से भी जुड़ा हुआ है।

विभाग द्वारा हाल ही में कराए गए सर्वे में पता चला है कि कई विकास परियोजनाओं से सटी जमीन की कीमतें काफी बढ़ गई हैं. इसी को ध्यान में रखते हुए अब सर्किल की स्पीड बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है। विभाग ने आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियों के लिए सर्कल दरों में 20 प्रतिशत की वृद्धि का प्रस्ताव दिया है ।स्टांप और पंजीकरण विभाग ने गाजियाबाद में वाणिज्यिक संपत्तियों की सर्कल दर को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने का भी प्रस्ताव दिया है। डीआरसी में वर्तमान सर्कल रेट ₹1.68 लाख/एम2 है। विभाग ने इसे 33,600 रुपये प्रति वर्ग मीटर बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है. अंबेडकर नगर सर्किल रेट ₹19,200/वर्गमीटर बढ़ाने का प्रस्ताव है. फिलहाल यहां का सर्कल रेट

₹96,000/वर्गमीटर है। इसी तरह विभाग साहिबाबाद में व्यावसायिक संपत्तियों का सर्कल रेट 16,800 रुपये प्रति वर्ग मीटर, राकेश मार्ग और नेहरू नगर में 15,600 रुपये प्रति वर्ग मीटर बढ़ाना चाहता है। वर्तमान में, साहिबाबाद में सर्कल रेट ₹84,000/वर्गमीटर है और राकेश मार्ग और नेहरू नगर में यह ₹78,000/वर्गमीटर है।

1 अगस्त से बदल जाएंगे ये खास नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , आज 1 अगस्त है आज से आपकी जेब नए नियम से प्रभावित होगी। अगर आप नहीं जानते बाज़ार में क्या क्या बदलाव हो रहे हैं तो इस खबर में दिए गए मुख्य पॉइंट्स को पढ़ लीजिये जिससे आपको नए बदलाव की तत्काल जानकारी हो सके।

LPG गैस सिलेंडर:

हर महीने की पहली तारीख को LPG गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव किया जाता है। लगातार दो महीने से कमर्शियल सिलेंडर के दामों में कटौती हुई है, हालांकि घरेलू सिलेंडर के दामों पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। उम्मीद की जा रही है इस बार भी

सिलेंडर के दामों में बदलाव हो सकता है।

CNG और पेट्रोल के दाम:

हर महीने के पहली तारीख को पेट्रोलियम कंपनियां CNG और पेट्रोल के दाम में भी उलटफेर करती हैं, हालांकि लंबे वक्त से इन दोनों के दामों में कोई चेंज नहीं हुआ है, देखते हैं इस बार इनके दाम में बदलाव होता है या नहीं।

सस्ता हो सकता है हवाई ईंधन :

ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि 1 अगस्त से हवाई ईंधन सस्ता हो सकता है, अगर ऐसा हुआ तो इसका इफेक्ट एयरलाइंस के किराये पर पड़ेगा, हो सकता है कि इससे हवाई किराया भी कम हो जाए।

क्रेडिट कार्ड महंगा:

HDFC बैंक से क्रेडिट कार्ड अब 1 अगस्त से महंगा हो जाएगा उसने इसका ट्रांजेक्शन फीस को बढ़ा दिया है। थर्डपार्टी पेमेंट ऐप के जरिए किए जाने वाले सभी रेंटल ट्रांजैक्शन पर अब से 1 पर्सेंट टैक्स लगेगा।

नए बदलाव 1 अगस्त से लागू हो जाएगा।

मालूम हो कि गूगल मैप सर्विस आम लोगों के लिए तो फ्री है लेकिन जब इसका इस्तेमाल बिजनेस के सिलसिले में होता है तो कंपनी इसका चार्च लगाती है। मालूम हो कि अब गूगल अपनी मैप सर्विस का पेमेंट भारतीय करेंसी यानी कि रु में लेगा।

13 दिन बैंक रहेंगे बंद:

अगस्त का पूरा महीना त्योहारों से भरा है , ऐसे में इस महीने बैंक 13 दिन बंद रहेंगे इसलिए अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई काम निपटाना है तो आप फटाफट निपटा लें और बैंकों की पूरी हॉलीडे लिस्ट चेक कर लें, हालांकि बैंक बंद होने की सूरत में ऑन लाइन लेन-देन और एटीएम व्यवस्था पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

क्या आप जानते हैं कैसे बनते है स्मार्ट फ़ोन ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , स्मार्टफोन मार्केट इस समय तेजी से डेवलप हो रहा है। सभी बड़े स्मार्टफोन ब्रांड यूजर्स के लिए हर रोज नई टेक्नोलॉजी पेश कर रहे हैं। जब ये फोन बनकर आपके हाथ में आते हैं, तो आप इनके लुक और डिजाइन को देखकर प्रभावित हो जाते हैं, लेकिन कभी आपने सोचा है कि आखिर ये स्मार्टफोन बनते कैसे हैं ? यहां हम आपको इन फोन की मेकिंग के बारे में कुछ जानकारी देने की कोशिश रहे हैं।

कॉन्सेप्ट डिजाइनिंग-

बता दें कि मेकिंग के दौरान सभी स्मार्टफोन्स एक खास प्रोसेस से होकर गुजरते हैं। जिसमें कॉन्सेप्ट डिजाइनिंग सबसे

पहला स्टेप होता है। किसी फोन की कॉन्सेप्ट डिजाइन में उसका कलर, साइज, फोन बॉडी मटेरियस वगैरह को तय किया जाता है।

कम्पोनेंट्स मेकिंग-

इसके बाद स्मार्टफोन के अलग-अलग कम्पोनेंट्स बनाए जाते हैं। बता दें कि कुछ फोन के कंपोनेट प्रॉडक्शन लैब में ही बनते हैं, वहीं कुछ कंपनियां इन्हें बाहर से असेंबल करती हैं, जैसे आईफोन की स्क्रीन कोरिया में बनती है, प्रोसेसर के लिए मटेरियल मंगोलिया से आता है, जायरोस्कोप (Gyroscope) एक फ्रेंच- इटेलियन कंपनी से आता है और अलग-अलग पाट्र्स चीन में असेम्बल होते हैं।

टच सेंसिविटी-

बता दें कि स्मार्टफोन के जिस फीचर में सबसे ज्यादा परेशानी आती है, वो होता है इसका टच स्क्रीन। फोन की टच सेंसटिविटी को चेक करने के लिए, स्पेशल मशीनों द्वारा उसे 10,000 हज़ार से ज्यादा बार सभी तरह से टच कर के देखा जाता है। अगर फोन में टच को लेकर कोई समस्या हो तो वह सामने आ जाए।

फोन के इंटरनल फीचर-

फोन तैयार होने के बाद इसके इंटरनल फीचर जैसे- wifi, ब्लूटूथ, सिम आदि ठीक से काम कर रहें है या नहीं, इसकी जांच की जाती है। इसके लिए फोन को एक बॉक्स में रखा जाता है, जिसमें फोन इस तरह की सभी जांचों से होकर गुजरता है।

टेस्टिंग-

फोन की मेकिंग का जरूरी हिस्सा टेस्टिंग होता है। टेस्टिंग में फोन के अंदर मौजूद किसी तरह की खामी के बारे में पता लगाया जाता है। ये खामी फोन के कंपोनेंट्स से बॉडी और डिजाइन तक किसी भी तरीके की हो सकती है।

बीएड और पीजी प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित न होने पर रोष

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विवि में बीएड और पीजी प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित न होने पर छात्र संगठनों ने बुधवार को परीक्षा नियंत्रक का घेराव कर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने कहा कि एक माह बीते जाने के बावजूद भी गढ़वाल विवि प्रशासन प्रवेश परीक्षाओं का रिजल्ट घोषित नहीं कर पाया है। छात्रों ने कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर परीक्षा परिणाम घोषित नहीं होता है तो छात्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।गढ़वाल विवि छात्र संघ उपाध्यक्ष रूपेश नेगी, महासचिव आंचल राणा ने कहा कि गढ़वाल विवि की बीएड प्रवेश परीक्षा 2 जून को आयोजित की गई थी और पीजी प्रवेश परीक्षा 8जुलाई से 13 जुलाई तक चली थी।लेकिन गढ़वाल विवि की सुस्त प्रणाली से छात्र-छात्राओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि अधिकांश कॉलेजों में बीएड का रिजल्ट घोषित होने के बाद प्रवेश प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है, लेकिन दो माह बीत जाने को हैं अभी तक गढ़वाल विवि बीएड प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषित नहीं कर पाया है। परीक्षा परिणाम घोषित न होने से छात्र अन्य कॉलेजों में भी प्रवेश नहीं ले पा रहें हैं। कहा कि गढ़वाल विवि की लापरवाही के कारण छात्रों का भविष्य में अधर में लटक रहा है। छात्रों ने आरोप लगाया कि छात्रों की बिना कॉपी जांचे ही नम्बर दिए जा रहे हैं,जिससे छात्रों को बैक लगने के कारण अगली कक्षा में प्रवेश लेने और अन्य कोर्सों में प्रवेश लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों ने जल्द से जल्द बीएड और पीजी प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट घोषित किए जाने और कॉपियों की दुबारा जांच किए जाने की मांग की है। मौके पर आयुष वेदवाल, दीपक, अंकित, आकाश, मयंक, काजल आदि मौजूद थे।

कांवड़िये की बाइक की टक्कर में युवक घायल

श्रीनगर गढ़वाल। श्रीनगर गढ़वाल। चारधाम यात्रा पर जा रहे कांवड़ियों की तेज रफ्तार बाइक ने एक बाइक सवार युवकों को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिसमें से एक गंभीर घायल युवक को एम्स रेफर किया गया है, जबकि एक का इलाज संयुक्त चिकित्सालय श्रीनगर में चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गढ़वाल विवि के छात्र कैवल्य जखमोला अपने घर भक्तियाना से गढ़वाल विवि की ओर आ रहे थे, तभी कांवड़ियों की तेज रफ्तार बाइक पौड़ी चुंगी के सामने बाइक पर पीछे से टक्कर मारकर फरार हो गई। मामले की सूचना सूचना अन्य छात्रों पता लगने के बाद मौके पर पहुंचे छात्रों ने कांवड़ियों को रोका तो तभी कांवड़ियों ने उन पर हाथापाई करना शुरू कर दिया और बाइक की चाबियां लेकर फरार हो गये। जिसके बाद गढ़वाल विवि के छात्र संघ अध्यक्ष सुधांशु थपलियाल के नेतृत्व में छात्रों नें कोतवाली पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार करने, कांवड़ियों की तेज रफ्तार एवं साइंलेसरों की आवाजों पर अंकुश न लगाये जाने पर पुलिस प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। छात्र संघ अध्यक्ष सुधांशु थपलियाल ने कहा कि चारधाम यात्रा पर जा रहे कांवड़िये तेज रफ्तार से बाइक चला रहे हैं, लेकिन पुलिस प्रशासन किसी भी प्रकार की कार्रवाई अमल में नहीं ला पा रही है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक होशियार सिंह पंखोली ने बताया कि आरोपी कांवड़िये को देवप्रयाग से गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया कि घायल की सर पर गंभीर चोट लगने के कारण एयर लिफ्ट किया जाना था, लेकिन मौसम में विजिबिलटी न होने कारण घायल को एम्बुलेंस की मदद से एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है।

हिंदी भाषा के प्रोत्साहन पर कार्यशाला में दिया जोर

नई टिहरी। सरस्वती शिशु मंदिर जे ब्लॉक में हिंदी विषय के आचार्य प्रशिक्षण कार्यशाला में संकुल क्षेत्र के शिशु मंदिरों के भाषा विषय के शिक्षकों को हिंदी की महत्ता, राष्ट्र भाषा को प्रोत्साहन करने और हिंदी में कार्य करने की आवश्यकता की जानकारी दी गई। बुधवार को शिशु मंदिर जे ब्लॉक में कार्यशाला का शिशु भारती के जिला निरीक्षक राकेश बहुगुणा और आरएसएस के विभाग प्रचारक पारस ने दीप जलाकर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शिशु और विद्या भारती के स्कूल छात्रों को गुणवत्तापरक और संस्कारवान शिक्षा दे रहे हैं। ऐसे में इन स्कूलों के शिक्षकों पर हिंदी भाषा को प्रोत्साहन करने का ज्यादा भार है। कहा कि हिंदी में कार्य करना आसान है। लेकिन हमें अपने से ही शुरुआत करनी होगी। किसी भी देश की तरक्की तभी संभव है, जब वहां मातृ और राष्ट्र भाषा का धारा-प्रवाह, कार्य करने की सर्वानुमति हो। हम पश्चिमी देशों की नकल जरूर करते हैं। लेकिन हमारे देश में यदि कोई हिंदी में बोलता, कार्य करता है तो उसे हीन भावना से कुछ लोग देखते हैं। ऐसे में सभी शिक्षकों को मिलकर हिंदी विषय को रूचिकर तरीके से छात्रों को पढ़ाना होगा। इस मौके पर आरएसएस के जिला प्रचारक दीपक, प्रधानाचार्य अनिल उनियाल, शीशराम कोठियाल, भगत सिंह भंडारी मौजूद रहे।

आरक्षित सीटों को सामान्य करने के मामले पर छात्रों का धरना जारी

श्रीनगर गढ़वाल। श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विश्वविद्यालय में आरक्षित सीटों को सामान्य करने का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मामले को लेकर एबीवीपी व आर्यन संगठन से जुड़े छात्र गत पांच दिनों से विवि प्रशासन से रोस्टर दिखाने की मांग पर अड़े हुए हैं। मंगलवार देर सांय तक छात्रों व अधिकारियों के बीच वार्ता हुई, लेकिन कोई समाधान न निकलने पर छात्र रात भर कुलसचिव कार्यालय में बैठे रहे।

संक्षिप्त खबरें

गुलदार प्रभावित क्षेत्र में झाड़ियां काटी

नई टिहरी। मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए वन विभाग ने माणिकनाथ रेंज में अभियान शुरू किया है। जिसमें आरआरटी, क्यूआरटी व वन कर्मियों की संयुक्त टीम दिन रात प्रभावी गश्त व जनसम्पर्क कार्य कर रही है। इसके साथ ही विभाग ने गुलदार प्रभावित संवेदनशील स्थलों में फॉक्स लाइट तथा एक दर्जन से अधिक कैमरा ट्रैप लगाये गये हैं। रेंजर माणिकनाथ मदन सिंह रावत ने बताया कि, देवप्रयाग में 18 जुलाई को हुई मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटना के बाद घटनास्थल एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में वन विभाग ने अभियान शुरु किया हैं। देवप्रयाग क्षेत्रान्तर्गत घटनास्थल वाले रास्ते सहित आबादी के समीप वन क्षेत्रों में उगी झाड़ियों का कटान किया जा रहा है। इससे गुलदार को आबादी क्षेत्र के निकट छिपने का स्थान नही मिल सकेगा। साथ ही आम लोगों को आवाजाही में कोई कठिनाई नहीं होगी। क्षेत्र में एक दर्जन अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती गश्त के लिए की गयी है, जिसमें नरेन्द्रनगर वन प्रभाग का अन्य रेंजों का स्टाफ भी शामिल है। विभिन्न जगहों पर गश्त कर रही टीमों का वन क्षेत्राधिकारी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे है। साथ ही प्रभागीय वनाधिकारी व उप प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा भी लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर अभियान पर नजर बनाये हुये है। जन-जागरूक को लेकर लोगों में पम्पलेट बांटे जा रहे है। संवेदनशील क्षेत्रों में पोस्टर, बैनर तथा साईन बोर्ड लगाये गये हैं एवं गुलदार को भगाने के लिए पटाखे भी बांटे गये हैं। वन विभाग ने क्षेत्र के भट्टगांव, टुण्डरियाल काण्डा, सजवाण काण्डा, मरोड़ा, पाली, आमणी, देवप्रयाग, महड़, बिड़ाकोट, किमखोला, मुल्यागांव, हिण्डोलाखाल, गोसिल, पाली, पलेठी आदि गोंवों में अभियान चलाया जा रहा है।

हार्ट अटैक से पर्यावरण मित्र की मौत

नई टिहरी। देवप्रयाग नगरपालिका क्षेत्र में सफाई कार्य के दौरान 40 वर्षीय पर्यावरण मित्र की दिल का दौरा पड़ने से मौके पर ही मृत्यु हो गई। इससे नगर पालिका कर्मियों सहित वाल्मीकि समुदाय में शोक छा गया। पुलिस ने पर्यावरण मित्र का शव कब्जे में लेकर पीएम के लिए भिजवाया।बाह बाजार, देवप्रयाग निवासी प्रेमदीप पुत्र रामलाल अपनी पत्नी पिंकी के साथ प्रतिदिन की तरह नगर में सफाई का काम कर रहा था। जब वह अन्य सफाई कर्मियों के साथ कूड़े को गाड़ी में कूड़ा भर रहा था तो अचानक चक्कर खाकर गिर पड़ा। जिस पर उसे तत्काल सीएससी बागी ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने इसका कारण दिल की धड़कन रुकना बताया। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पीएम के लिये श्रीनगर भिजवा दिया।

नई टिहरी में मेडिकल कालेज बनने का रास्ता साफ

नई टिहरी। टिहरी बांध विस्थापित नई टिहरी शहर में मेडिकल कॉलेज बनने का रास्ता साफ होता नजर आ रहा है। जिला मुख्यालय के निकट टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड मेडिकल कॉलेज बनाएगा। जिसके लिए बुधवार को विधायक किशोर उपाध्याय की मौजूदगी में आयोजित बैठक में इस बावत सरकार को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया। विधायक किशोर ने मेडिकल कालेज बनाने की स्वीकृति को लेकर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर का आभार भी जताया।जिला सभागार में आयोजित बैठक में विधायक ने बताया कि मेडिकल कालेज के लिए राज्य सरकार 5 हेक्टेयर और अवशेष 5 हेक्टेयर से अधिक भूमि टीएचडीसी उपलब्ध कराएगा। मेडिकल कॉलेज बनने से टिहरी ही नहीं बल्कि उत्तरकाशी, देवप्रयाग से लगे पौड़ी जिले के निवासियों को लाभ होगा।

आकाशवाणी उत्तरकाशी की कॉलोनी अवैध कब्ज़े पर एफआईआर दर्ज़

- प्रसार भारती के उत्तराखंड क्लस्टर प्रमुख ने आकाशवाणी कर्मचारी के विरुद्ध देहरादून में दर्ज करवाई एफआईआर
- आकाशवाणी कॉलोनी में हुए अवैध कब्ज़ों को जल्द हटाया जायेगा : क्लस्टर प्रमुख प्रसार भारती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 अगस्त , सूचना , शिक्षा और मनोरंजन को सीमांत जनपद उत्तरकाशी में भारत सरकार ने आकाशवाणी केंद्र की स्थापना की थी। कुछ माह पूर्व में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तरकाशी में एफएम सेवा का उद्धघाटन किया था। आकाशवाणी का परिसर अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में गिना जाता है, लेकिन उत्तरकाशी में आकाशवाणी की कॉलोनी जो अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बनाई गई है उस पर बाहरी लोगों और विभाग के ही एक कर्मचारी ने अवैद्य कब्ज़ा किया हुआ है। इस संबंध में प्रसार भारती उत्तराखण्ड के क्लस्टर प्रमुख अशोक कुमार ने देहरादून नेहरू कॉलोनी थाने में एफआईआर दर्ज की।

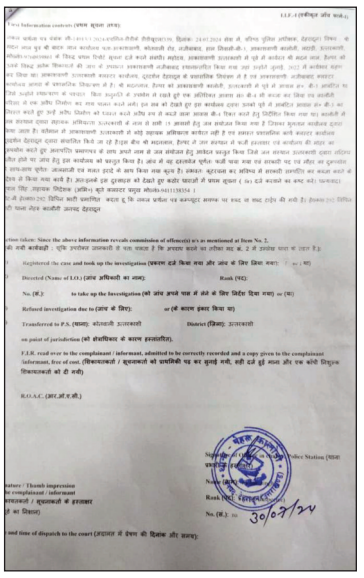

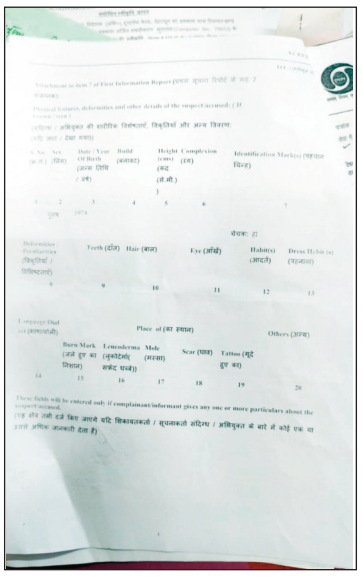

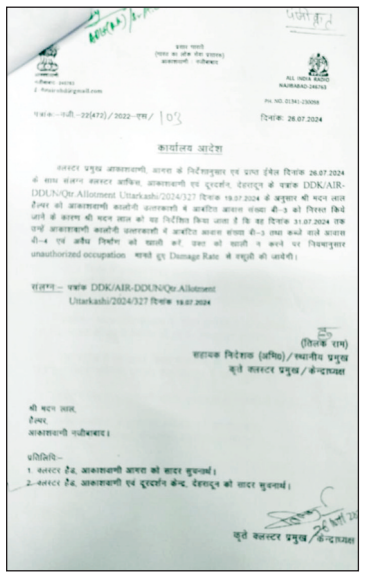

एफआईआर के अनुसार वर्ष 2012 में उत्तरकाशी में आई आपदा के बाद आकाशवाणी कालोनी , लदाडी उत्तरकाशी में अन्य अवैध कब्जाधारियों में से एक विभागीय कर्मचारी मदनलाल ने आवंटित आवास के अतिरिक्त एक अन्य आवास पर कब्जा किया हुआ है और परिसर में अवैध निर्माण कर गाय पालन का कार्य उनके द्वारा किया जा रहा है। इस पर कार्रवाई करते हुए उनका आवंटन विभाग ने निरस्त कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार मदन लाल ने फर्जी हस्ताक्षर एवम कार्यालय की मोहर का दुरुपयोग करते हुए जल संस्थान उत्तरकाशी में अपने नाम से जल संयोजन हेतु आवेदन में फर्जी अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी कर दिया। उक्त फ़र्ज़ी कार्य का संज्ञान लेते हुए कलस्टर कार्यालय दूरदर्शन ने जालसाजी एवम आवास हड़पने का षड्यंत्र मानते हुए उनके विरुद्ध नेहरू कॉलोनी थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की है ।

प्रसार भारती उत्तराखण्ड के कलस्टर प्रमुख अशोक कुमार ने इस बावत बताया कि अभी विभागीय कर्मचारी मदन लाल के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई कर उनका आवंटन रद्द कर उनके विरुद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

उन्होंने बताया कि शीघ्र ही अन्य कब्जाधारियों जिनमें नेत्री विद्वान स्वराज भी शामिल है के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। कुमार ने इस संबंध में बताया कि प्रसार भारती द्वारा जिलाधिकारी उत्तरकाशी को भी इन अवैध कब्ज़ों के बारे में सूचित किया जा चुका है। उन्होंने सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्ज़ों को हटाने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है ।

संपादकीय

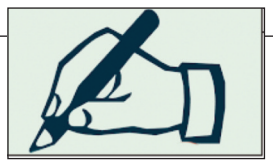

इतिहास की बेटी मनु

निशानेबाज बिटिया मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में वह कर दिखाया है, जो अभूतपूर्व, अप्रत्याशित, अतुलनीय और अनिर्वचनीय है। एक ही खेल के दो प्रारूपों में लगातार दो कांस्य पदक जीत कर मनु ने कई इतिहास लिख दिए हैं। मनु के साथ सरबजोत सिंह भी मिश्रित खेल की अप्रतिम उपलब्धि के सूत्रधार हैं, लिहाजा देश के बेटे-बेटी को साझा शाबाश... ! मनु 10 मीटर एयर पिस्टल की निशानेबाजी में ओलंपिक पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। यह राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय गौरव भी मनु के हिस्से आया है कि एक ही ओलंपिक में, एक ही खेल की दो शैलियों में, दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भी प्रथम महिला खिलाड़ी बन गई हैं। देश की संप्रभु आजादी के 77 सालों में मनु भाकर इस तरह ओलंपिक पदकवीर बनने वाली एकमात्र भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। मनु की यह सफलता 'हैट्रिक' में भी तबदील हो सकती है, क्योंकि उन्हें 2 अगस्त को 25 मीटर रैपिड निशानेबाजी में भी भाग लेना है। खेल की यह शैली मनु को सर्वाधिक प्रिय है। विश्व चैंपियनशिप और एशियाड में खेल की इसी शैली में मनु स्वर्ण पदक जीत चुकी है। विश्व कप में इस 'होनहार बेटी' ने 9 स्वर्ण पदकों समेत कुल 11 पदक हासिल किए हैं और अभी तो सफर जारी है। करीब 124 साल पहले ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 के ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीते थे, लेकिन भारत तब गुलाम देश था। मनु और सरबजोत दोनों ही हरियाणा के खिलाड़ी हैं। वे 2019 से मिश्रित निशानेबाजी का साथ-साथ अभ्यास करते रहे हैं, बल्कि राष्ट्रीय और विश्वकप तथा अन्य मुकाबलों में स्वर्णपदक जीतते रहे हैं। यह सरबजोत ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया, जब उन्होंने इस उपलब्धि की बधाई देने के लिए फोन किया था और मिश्रित टीम के बारे जिज्ञासा प्रकट की थी। सरबजोत ने प्रधानमंत्री के जरिए देश को आश्वस्त किया कि अगली बार वे स्वर्ण पदक जीत कर दिखाएंगे। बेशक यह उनके संघर्ष, जुनून, लक्ष्य, अनथक मेहनत का ही नतीजा है कि दोनों ओलंपिक पदकवीर हैं। यह वाकई असामान्य और अविश्वसनीय उपलब्धि है। हरियाणा तो क्या, देश भर में निशानेबाजी कोई पारंपरिक खेल नहीं है। हरियाणा कुश्ती, कबड्डी, मुक्केबाजी के लिए विख्यात राज्य है, लेकिन निशानेबाजी ने उसे नए मुकुट पहना दिए हैं। राज्यवर्धन सिंह राठौर ने 2004 के एथेंस ओलंपिक में निशानेबाजी का रजत पदक जीता था। अभिनव बिंद्रा 2008 के बीजिंग ओलंपिक में इसी खेल की भिन्न शैली के चैम्पियन बने। वहीं निशानेबाजी का एकमात्र ओलंपिक स्वर्णपदक भारत के हिस्से आया था। निशानेबाजी में रजत पदक विजेता विजय कुमार और कांस्य पदकवीर गगन नारंग सरीखे नाम भी अविस्मरणीय हैं, लेकिन दोहरे पदक की सफलता मनु ने ही हासिल की है और बेटी ने इतिहास का नया शिलालेख लिख दिया है। भारत में अब खेल पेशेवर हो गए हैं। अब बड़ी-बड़ी कंपनियां खेलों को प्रायोजित करती हैं और पदकवीर खिलाडियों को नौकरी भी देती हैं। क्रिकेट के आईपीएल मुकाबले पेशेवर खेल के ज्वलंत उदाहरण हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। फ़ोन : 0135-4066790, 2672002

RNI No. : UTTHIN/2012/44094 Cert. Ser. No. : 31406 E-mail : dainiknewsvirus@gmail.com

Website : www.newsvirusnetwork.com YouTube : TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

डॉ. धर्मेंद्र भट्ट को ओलम्पिक में समीक्षक की जिम्मेदारी मिलने से खुशी

पिथौरागढ़। सीमांत के डॉ. धर्मेंद्र भट्ट ओलम्पिक खेल में भारतीय बॉक्सिंग टीम के साथ बतौर समीक्षक के तौर पर जुड़े हुए हैं। वह टीम के साथ पेरिस रवाना हुए हैं। डॉ. भट्ट को समीक्षक नियुक्त किए जाने से सीमांत के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। लोगों का कहना है कि ओलम्पिक खेल में समीक्षक की जिम्मेदारी मिलना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने इसे सीमांत के लिए गौरव बताया है। मूल रूप से नगरोड़ा बुंगाछीना के रहने वाले डॉ. भट्ट एशियन मेडलिस्ट, सैफ गेम्स मेडलिस्ट मुक्केबाज होने के साथ ही सात वर्षों तक भारतीय बाक्सिंग टीम के प्रशिक्षक रह चुके हैं। उनके प्रशिक्षित पांच खिलाड़ियों को सरकार ने अर्जुन अवार्ड और एक को द्रोणाचार्य अवार्ड से भी दिया है। उन्हें भारतीय बॉक्सिंग टीम का समीक्षक बनाए जाने पर खेल विभाग के अधिकारियों, उत्तराखण्ड बॉक्सिंग संघ, जिला ओलम्पिक संघ, कै. हरि सिंह थापा जिला मुक्केबाजी एसोशिएशन ने खशी जताई है।

शहीद उधमसिंह को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

पिथौरागढ़। सीमांत में शहीद उधमसिंह को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। बुधवार को नेड़ा में डॉ. तारा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उधमसिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर लोगों ने उन्हें याद किया। इस दौरान डॉ. सिंह ने कहा कि आज के ही दिन उधम सिंह को फांसी दी गई। कहा कि उधमसिंह ने जलियावाला बाग घटना के दोषी कर्नल आर एडवर्ड डायर को 21 साल बाद लंदन पहुंचकर मार गिराया। कहा कि उनका यह बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। यहां मयंक शर्मा, केएस कोरंगा, चेतन भट्ट, दृष्टि ततराड़ी, भावना कापड़ी, ध्रुव सिंह, नीमा मेहरा, शौर्य, करिश्मा, वंदना खड़ायत, प्रत्यक्ष, मयंक महर, जानवी, काव्या उप्रेती, बबीता भट्ट, तेजस आदि मौजूद रहे।

निवेदिता को मिला प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ

काशीपुर। उत्तराखंड ग्रामीण बैंक शाखा ने ग्राम चकरपुर निवासी निवेदिता अधिकारी पुत्री तारा अधिकारी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ प्रदान किया। शाखा प्रबंधक अंकित शर्मा, अधिकारी देवेश पांडे, कार्यालय सहायक प्रीति द्वारा संयुक्त रूप से दो लाख रुपये बीमा राशि का चेक सौंपा।

संक्षिप्त खबरें

खेल मंत्री रेखा आर्या ने किया ताड़ीखेत ब्लॉक में मिनी स्टेडियम का लोकार्पण

अल्मोड़ा। उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या विधानसभा रानीखेत के ताड़ीखेत ब्लॉक पहुंची। यहाँ खेल मंत्री ने मिनी स्टेडियम का विधिवत पूजा अर्चना कर लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने श्रम विभाग द्वारा संचालित कैम्प का निरीक्षण किया। वहीं एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। खेल मंत्री ने कहा कि क्षेत्र में स्टेडियम ना होने से खिलाड़ियों को कई समस्याओं से जूझना पड़ता था, साथ ही उन्हें अपने खेल अभ्यास के लिए अन्य जगहों का रुख करना पड़ता था। लेकिन अब मिनी स्टेडियम की शुरुआत होने से खिलाड़ियों के लिए यह स्टेडियम लाभदायक सिद्ध होगा। कहा कि खेल और खिलाड़ियों के हितों को सुरक्षित और उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में लगातार ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। आज खिलाड़ियों के लिए सरकारी विभाग में नौकरी की व्यवस्था की गई है। कहा कि बालक और बालिकाओं की खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाएं लागू की गई है। उन्हें छात्रवृत्ति से लाभान्वित किया जा रहा है। साथ ही कहा कि राज्य में होने जा रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए सभी काम पूरे कर दिए गए हैं। राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी मिलना राज्य के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर विधायक रानीखेत प्रमोद नैनवाल, जिलाध्यक्ष भाजपा रानीखेत लीला बिष्ट, जिला महामंत्री विनोद भट्ट, मंडल अध्यक्ष भूपाल परिहार, मुकेश पांडे, विधायक प्रतिनिधि भुवन जोशी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख धन सिंह रावत, विमला रावत, संयुक्त मजिस्ट्रेट वरुणा अग्रवाल, जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रशांत चौहान सहित पार्टी कार्यकर्ता, विभागीय अधिकारी और क्षेत्र की जनता उपस्थित रही।

वीपीकेएएस में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम का शुभारंभ

अल्मोड़ा। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान के हवालबाग स्थित प्रायोगिक फार्म में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम 2024 का आधिकारिक रूप से शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत डॉ आशीष कुमार सिंह ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम(रावे) के नोडल अधिकारी द्वारा एक स्वागत भाषण और रावे कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करके की गई। इस वर्ष के कार्यक्रम में 80 छात्र नामांकित हुए हैं जिनमें से 20 छात्र डीएसबी परिसर कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल से 59 छात्र जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय जयपुर से और एक छात्र ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय भीमताल से है। सत्र की शुरुआत डॉ लक्ष्मी कांत निदेशक वीपीकेएएस अल्मोड़ा के संबोधन से हुई। डॉ लक्ष्मी कांत ने संस्थान की उपलब्धियों और भविष्य के लक्ष्यों का अवलोकन प्रस्तुत किया छात्रों को उनके नामांकन के लिए बधाई दी और उन्हें अनुसंधान और कृषि उद्यमिता के माध्यम से कृषि विज्ञान में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। डॉ एन के हेडाउ फसल सुधार प्रभाग के प्रमुख ने नवाचार फसल सुधार गतिविधियों और प्रगति के बारे में जानकारी साझा की जिससे छात्रों को इस गतिशील कृषि क्षेत्र में भविष्य के करियर की खोज करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

भगवती मंदिर के ऊपर पेड़ गिरने से धर्मशाला व दीवार हुई क्षतिग्रस्त

अल्मोड़ा। भैसियाछाना विकास खंड के ग्राम रीम में प्राचीन भगवती मंदिर के ऊपर चीड़ का पेड़ गिरने से मंदिर के धर्मशाला व मंदिर की चहारदीवारी व मंदिर के पीपल के पेड़ को भी बहुत नुकसान हुआ है। यह घटना मंगलवार की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि गांवों के लोग रीमगाड़ा भगवती मंदिर के आस पास गाय बकरियों को चराने के लिए गये हुए थे। तभी पेड़ गिर गया। लेकिन जब चीड़ के पेड़ की टूटने की आवाज आई तो गाय बकरियों को चराने वाले लोग तितर बितर होकर भाग गए। वो तो गनीमत रही कि इस बीच जान मान का कोई खतरा नहीं हुआ। पेड़ गिरने से भगवती मंदिर के चार दिवारी व धर्मशाला आधे ध्वस्त हो गये।

सड़क की दीवार गिरी, यातायात प्रभावित

पिथौरागढ़। झूलाघाट- जौलजीबी मोटर मार्ग में बारिश से तालेश्वर के सीमप सड़क की दीवार गिर गई। जिससे सड़क पर वाहनों की आवाजाही थम गई। इससे क्षेत्र के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बुधवार को वाहन चालक अनिल खनका ने बताया कि सड़क की दीवार गिरने से तालेश्वर जल विद्युत परियोजना की पाइपलाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई।

उत्तराखंड की 1424 ग्राम पंचायतें हुई टीबी मुक्त : डॉ. धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 अगस्त , प्रदेश की 1424 ग्राम पंचायत क्षयरोग (टीबी) से मुक्त हो गई है। भारत सरकार ने टीबी मुक्त पंचायत गतिविधि के अंतर्गत प्रमाणित करते हुये इन सभी ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया है। यह राज्य के लिये महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं तथा योजनाओं के सटीक क्रियान्वयन के चलते प्राप्त की गई। अब प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य हासिल करना है जिसके लिये राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है।

सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि प्रदेश टीबी उन्मूलन की दिशा में अग्रसर है। दवा और हौंसलों के दम पर क्षयरोग को मात देने में सफलता मिल रही है। डॉ. रावत ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत प्रदेश में टीबी मुक्त पंचायत अभियान वृहद स्तर पर चलाया जा रहा है। जिसके सफल क्रियान्वयन के चलते भारत सरकार ने प्रदेश की 1424 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत लगभग 3200 गांवों को टीबी मुक्त घोषित किया है। केन्द्र सरकार ने प्रदेश की 1424 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायतों के लिये तय 6 मानकों पर खरा पाया। जिसमें अल्मोड़ा जनपद की 115, बागेश्वर 76, चमोली 115, चम्पावत 40, देहरादून, 187, हरिद्वार 18, नैनीताल 124, पौड़ी गढ़वाल 297, पिथौरागढ़ 124, रूद्रप्रयाग 44, टिहरी गढ़वाल 144, ऊधमसिंह नगर 117 तथा उत्तरकशी जनपद की 23 ग्राम पंचायतें शामिल है।

विभागीय मंत्री ने बताया कि इन सभी टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों को प्रमाण पत्र वितरित किये जायेंगे। जिसके लिये शीघ्र ही जनपद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस संबंध में सभी जनपदों के जिलाधिकारियों एवं मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि टीबी उन्मूलन के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये जन सहभागिता अत्यंत आवश्यक है, इसके लिये आम लोगों को जागरूक किया जा रहा है। डा. रावत ने बताया कि 24 मार्च, 2023 को 'विश्व टीबी रोग दिवस' के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी से 'टीबी मुक्त पंचायत' अभियान का शुभारम्भ किया था। जिसका उद्देश्य रोगियों की सहायतार्थ संबल प्रदान करना तथा पंचायत को टीबी मुक्त करना है। इस अभियान के तहत प्रदेश का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है।

सूबे में टीबी नोटिफिकेशन व जांच में हुई उल्लेखनीय प्रगति

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि प्रदेश में टीबी उन्मूलन को लेकर राज्य सरकार खासी गंभीर है। टीबी मुक्त उत्तराखंड के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में युद्ध स्तर पर काम किया जा रहा है। यही वहज है कि राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष टीबी नोटिफिकेशन में सर्वाधिक 110 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गई है। जबकि टीबी जांच दर में पिछले वर्ष की तुलना में प्रदेश में 45 प्रतिशत बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने कहा कि 1424 ग्राम पंचायतों का टीबी मुक्त होना प्रदेश के लिये उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने व लोगों के बीच जनजागरूकता बढ़ाने में सहायक साबित होगी।

उत्तराखंड में कोचिंग सेंटर के लिए निर्देश जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 अगस्त , प्रदेश के आवास मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने दिल्ली के कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन बच्चों की मौत के मामले का संज्ञान लेकर उत्तराखंड में कोचिंग सेंटर के लिए निर्देश जारी किए हैं। मंत्री डॉ अग्रवाल ने अपर सचिव आवास अतर सिंह और एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी से दूरभाष पर निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने की घटना के बाद तीन छात्र जिनमें दो लड़कियां और एक लड़का निकलने में असफल रहे, जिसके चलते उनकी मृत्यु हो गई।

Coaching Centers की होगी निगरानी : डॉ अग्रवाल ने कहा कि ऐसी घटना उत्तराखंड में ना हो इसके लिए कोचिंग सेंटर पर अभियान चलाएं। डॉ अग्रवाल ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश के कोचिंग सेंटर में मानक अनुसार कार्य नहीं होने पर तत्काल कार्रवाई करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि बेसमेंट में सुरक्षा उपाय तथा आपदा के समय निकासी जैसे अन्य आवश्यक कार्य न होने पर कोचिंग सेंटर के खिलाफ कार्रवाई की जाए।डॉ अग्रवाल ने यह भी कहा कि जिनमें कार्रवाई की जा रही है उन पर शीघ्र कार्रवाई की प्रक्रिया को अमल में लाएं।

व्यापारियों ने चोरों को पकड़ने की मांग

नई टिहरी। घनसाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंगलवार रात को चोरों ने तीन दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की है। घटना से व्यापारियों में आक्रोश बना हुआ है। उन्होंने पुलिस और स्थानीय प्रशासन से चोरों की पहचान कर गिरफ्तार करने की मांग की है। व्यापार मंडल अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र डंगवाल ने बताया कि बीते रात को बाजार स्थित तीन दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने मोबाइल शॉप, ऑटोमोबाइल और रेस्टोरेंट के ताले तोड़कर घटना को अंजाम दिया है। इस बाबत थानाध्यक्ष संजीव थपलियाल ने बताया कि घटना की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही चोरों को पकड़कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में गुलदार की सक्रियता से छात्रों में दहशत

नई टिहरी। देवप्रयाग नगर क्षेत्र में गुलदार की दहशत कम होने का नाम नहीं ले रही है। यहां स्थित संस्कृत विवि के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के सीसीटीवी फुटेज में गुलदार परिसर में चहल कदमी करता हुआ दिखाई दिया।बीते मंगलवार को जब यहां सीसीटीवी फुटेज देखी गई तो उसमें गुलदार यहां अकादमिक भवन के निकट घूमता दिखाई दिया। जहां से वह रास्ता तलाश करते हुए मेन गेट की ओर जाता दिखाई दिया। मेन गेट बन्द होने पर कैंटीन की तरफ जाते दिखा। जनसंपर्क अधिकारी डॉ.वीरेंद्र वत्वाल ने बताया कि, सीसीटीवी फुटेज सोमवार तड़के चार बजे का है। सीसीटीवी में गुलदार के परिसर में खुले घूमते देख यहां छात्रावास में निवास करने वाले देशभर के 5 सौ छात्र, 50 छात्राएं, 25 प्राध्यापक व करीब 75 अन्य कर्मचारी दहशत से घिर गए है। इनमें से कई लोगों के परिवार में यहां साथ हैं। गुलदार के परिसर में दिखने के बाद यहा हर रात शोर शराबे के साथ ड्रम आदि बजाने को छात्र-छात्राएं मजबूर हैं। परिसर प्रशासन ने इस बाबत वन विभाग पौड़ी को परिसर में सुरक्षा दिये जाने की मांग की है।

प्रदेश सरकार मूल निवास लागू करे : नेगी

नई टिहरी। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने बुधवार को कहा कि हाल ही में स्वास्थ्य विभाग में नर्सिंग अधिकारी के पदों पर भर्ती के चयनित अभियर्थियों के स्थाई निवास प्रमाण पत्र जांच में फर्जी पाए गए हैं। इस तरह के फर्जीवाड़ा रोकने के लिए प्रदेश सरकार 1950 के अनुरूप मूल निवास की व्यवस्था लागू करे। पत्रकारों से बातचीत में नेगी ने कहा कि बाहरी राज्यों के अभ्यर्थी भर्ती के मानकों को पूरा करने को फर्जी प्रमाण पत्र बना रहे हैं। इससे स्थाई निवास प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया सवालों के घेरे में है। आशंका है कि हाल के वर्षों में मैदानी क्षेत्रो की तहसीलों से जारी स्थाई निवास प्रमाण पत्र भी फर्जी हो सकते हैं।

बगैर मान्यता के स्कूलों पर कार्यवाही की मांग

नई टिहरी। नरेंद्रनगर के ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र भंडारी और पर्यावरणविद विजय जड़धारी ने बताया कि नरेंद्रनगर और चंबा क्षेत्र की एक पब्लिक स्कूल बीते कई वर्षों से बगैर मान्यता के संचालित की जा रही थी। जिस कारण छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को खासी परेशानी उठानी पड़ी। वन मंत्री सुबोध उनियाल के संज्ञान में प्रकरण आने के बाद बीते दिनों शिक्षा विभाग ने संबंधित स्कूल की मान्यता खत्म कर दी थी। बावजूद इसके स्कूल प्रबंधन ने बगैर मान्यता के स्कूल का संचालन जारी रखा। उधर, डीईओ बेसिक वीके ढौंडियाल ने बताया कि स्बंधित पब्लिक स्कूल संचालक को आरटीई का उल्लंघन करने और मानकों की अनदेखी के लिए बंद करने का नोटिस दिया गया है।

एआई तकनीकी का मानव कल्याण में हो उपयोग

नई टिहरी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड एजुकेशन विषय को लेकर जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान में जिला स्तरीय सेमिनार आयोजित किया गया। विषय विशेषज्ञों ने कहा कि एआई तकनीक, भविष्य की संभावनाएं और मानव जाति के कल्याण के लिए एआई की महत्ता की जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि एआई इंसानों की अक्ल की नकल करने का बेहतर माध्यम है।मंगलवार को आयोजित सेमिनार का डायट नई टिहरी में निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण वंदना गर्ब्याल, प्राचार्य हेमलता भट्ट, सीपी रतूड़ी, एससीईआरटी के उप निदेशक डॉ. कष्णानंद बिजल्वाण, डॉ. राकेश गैरोला, डॉ. रंजन भट्ट, शुभ्रा सिंघल ने संयुक्त रूप से शुभारंभ करते हुए एआई को लेकर भविष्य की चुनौती की जानकारी दी।

संक्षिप्त खबरें

स्कूल जाते हुए छात्र पर गुलदार का हमला

रुद्रप्रयाग। जखोली क्षेत्र में बुधवार सुबह स्कूल जा रहे बुढ़ना गांव के एक 11 वर्षीय बालक पर अचानक गुलदार ने हमला कर दिया। जिससे उनके हाथ और पैर में चोटें आई हैं। हमले के दौरान बालक के चिल्लाने की आवाजें सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह बालक को गुलदार के चंगुल से बचा पाए। जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह जखोली ब्लॉक के बुढ़ना गांव निवासी 11 साल का अनीश सिंह रावत अपने गांव से राजकीय अटल आदर्श इंटर कालेज बुढ़ना जा रहा था कि इसी बीच गांव के पास ही झाड़ियों में छुपे गुलदार ने हमला कर दिया। गुलदार ने बालक के हाथ की अंगुलियों के साथ ही पैर पर घाव किए हैं। जैसे ही गुलदार ने हमला कि तो अनीश जोर-जोर से चिल्लाने लगा। इतने में ही गांव के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह बालक को गुलदार के चुंगल से छुड़ाने में कामयाब हो गए। परिजनों के साथ ही ग्रामीणों ने बालक का अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराया जबकि इसके बाद उसे घर ले गए हैं। बुढ़ना की ग्राम प्रधान आरती नैथानी ने बताया कि घटना की जानकारी वन विभाग को दे दी है। वन विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने वन विभाग से घायल बालक को उचित मुआवजा देने की मांग की है। इधर, घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से शीघ्र क्षेत्र में पिंजरा लगाने के साथ ही वन कर्मियों की गश्त लगाने की मांग की है।

सीएम से की लस्तर नहर और आईटीआई को लेकर मुलाकात

रुद्रप्रयाग। भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी कमलेश उनियाल ने रुद्रप्रयाग विधानसभा की दो प्रमुख समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि जखोली ब्लॉक में बांगर सिलगढ़ से बजीरा लस्या तक निर्मित लस्तर नहर छह महीने से बंद है जिससे सैकड़ों परिवार खेती से वंचित है। वहीं ब्लॉक के चिरबटिया में चल रहे आईटीआई भवन निर्माण को लेकर शीघ्र कार्यवाही की जाए।मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान उन्होंने विभिन्न समस्याओं का ज्ञापन सौंपा। कहा कि जखोली में लस्तर नहर का निर्माण 1977 में कराया गया था। उस दौरान इस नहर की लंबाई 29 किलोमीटर थी और अभी लगभग छह वर्ष पूर्व इस नहर की लंबाई का विस्तारीकरण कर 31 किलोमीटर बनाया गया है। इस नहर को जखोली ब्लॉक के बांगर से लेकर बजीरा तक इसलिए बनाया गया था कि नहर से जुड़ने वाले दर्जनों गांवों के काश्तकारों को अपने खेतों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सके और ग्रामीण धान की रोपाई व गेहूं की खेती की सिंचाई कर सकें। किंतु आज लस्तर नहर जगह-जगह टूटी पड़ी है। प्रदेश सह मीडिया प्रभारी के ज्ञापन का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने तत्काल संबंधित विभाग को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द लस्तर नहर का ट्रीटमेंट करवाकर पानी चलाया जाए।

मां राजराजेश्वरी की देवरा यात्रा 9 से शुरू

रुद्रप्रयाग। केदार घाटी की सुप्रसिद्ध व ग्यारह गावों की ईष्ट देवी मां राज राजेश्वरी तालतोली की 20 वर्षों बाद केदारनाथ देवारा यात्रा शुरू होगी। केदारनाथ देवरा यात्रा का शुभारंभ 9 अगस्त से किया जाएगा। देवरा यात्रा के दौरान माता राज राजेश्वरी स्थान तालतोली से केदार घाटी के 62 गांवों का भ्रमण करेगी। ग्यारह गांव मां राजराजेश्वरी मंदिर समिति तालतोली के अध्यक्ष कलम सिंह राणा ने बताया कि सर्वप्रथम देवी 9 अगस्त को अपने मुख्य स्थान तालतोली मंदिर से श्रृंगार डोली के रूप में निकलकर अपने भण्डार चौण्डी गांव जाएगी। जो मां राज राजेश्वरी तालतोली का ग्यारह गावों में से पहला गांव है। इसके बाद ग्राम तुलंगा खेड़ा भिनोली, सल्या, ल्वाणी, देवांगण, अन्द्रवाड़ी, नमोली, ल्वारा, जमलोक आदि अपने ग्यारह गांवों के अलावा नजदीकी केदारनाथ तीर्थ पुरोहितों के गांव में प्रवेश करेगी।

घर-घर जाकर डायरिया से बचाव की जानकारी देंगे

रुद्रप्रयाग। मानसून सत्र के दौरान बच्चों में डायरिया होने की आशंका को देखते हुए डायरिया नियंत्रण को लेकर 1 अगस्त से जनपद में सघन डायरिया रोकथाम अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान में जनपद की सभी 128 चिकित्सा इकाइयों मे जिंक ओआरएस कार्नर की स्थापना करते हुए इन कार्नर के माध्यम से जिंक व ओआरएस पैकेट का वितरण निःशुल्क किया जाएगा। साथ ही डायरिया रोकथाम को लेकर विभिन्न गतिवियां आयोजित होंगी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विमल सिंह गुसाईं ने बताया कि शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से 1 अगस्त से मानसून सत्र तक सघन डायरिया रोकथाम अभियान का आयोजन होगा। इसके लिए आशा और एएनएम पांच साल कम उम्र के बच्चों वाले घरों का दौरा करेंगी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की सभी पांच टीमें अपने भ्रमण वाले स्कूलध्आंगनबाड़ी में बच्चों को हैंडवास प्रैक्टिस व डायरिया बचाव व रोकथाम की जानकारी देंगे। अभियान के तहत जनपद में साभी 128 चिकित्सा इकाईयों में निःशुल्क ओआरएस पैकेट व जिंक दवा के वितरण हेतु जिंक ओआरएस कार्नर की स्थापना की गई है।